दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 202 ■ दमण, बुधवार 08 मई 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण-दीव लोकसभा सीट पर 69% हुआ मतदान

■ मोटी दमण और नानी दमण के ज्यादातर सभी गांवों में भारी मतदान : दाभेल, घेलवाड, आटियावाड और सोमनाथ में कम मतदान ■ दमण शहर में भी हुआ कम मतदान ■ दमण जिले में 68.2 और दीव में 69.94 प्रतिशत हुआ मतदान ■ निर्दलीय उम्मीदवार उमेश पटेल, भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल और कांग्रेस उम्मीदवार केतन पटेल सहित अग्रणियों ने सुबह-सुबह में ही किया मतदान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 मई। दमण-दीव लोकसभा सीट पर लगभग 69 प्रतिशत शांतिपूर्ण मतदान हुआ है। सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्र में मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए पोलिंग बूथों पर पहुंच गये थे। मोटी दमण एवं नानी दमण के ज्यादातर गांवों में भारी मतदान की खबर है। जबकि परप्रांतीय मतदाताओं के प्रभाव वाले क्षेत्र दाभेल, घेलवाड, आटियावाड एवं सोमनाथ में सिर्फ 46 प्रतिशत के आसपास मतदान हुआ है। इसी तरह दमण शहर में भी कम मतदान होने की खबर सामने आ रही है। दमण जिले में 68.2 प्रतिशत और दीव जिले में 69.94 प्रतिशत मतदान हुआ है। दीव में भी मतदाताओं में वोट डालने को लेकर काफी उत्साह देखा गया। कई पोलिंग बूथों पर मतदाताओं की लंबी कतारें भी देखी गई। निर्दलीय उम्मीदवार उमेश पटेल, भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल और कांग्रेस उम्मीदवार केतन पटेल सहित अग्रणियों ने सुबह-सुबह में ही मतदान कर लिया था। पहली बार मतदाता बने युवा मतदाताओं में अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए काफी उत्साह देखा गया। वहीं वरिष्ठ नागरिक भी अपने मताधिकार के उपयोग से पीछ नहीं रहे। 90 वर्ष की आयु के भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते दिखे। दमण-दीव लोकसभा सीट पर मतदान समाप्त होने के साथ उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में कैद हो गया है। 4 जून 2024 को परिणाम आयेंगे। इस चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संपन्न कराने में जिला निर्वाचन अधिकारियों, सहायक निर्वाचन अधिकारी, बीएलओ, पुलिस एवं प्रशासन ने पूरी तैयारी की थी। सभी पोलिंग बूथों पर सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी।

दादरा नगर हवेली में ऐतिहासिक रूप से पहली बार शांतिपूर्ण संपन्न हुआ लोकसभा चुनाव: 72.51 प्रतिशत हुआ मतदान

■ उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला 4 जून को मतगणना के बाद ■ धीमे मतदान के साथ शुरू हुये मतदाताओं ने शाम होते-होते जमकर किया मतदान ■ पिछले वर्ष के मुकाबले लगभग 10% तक कम रहा मतदान ■ भाजपा प्रत्याशी कला डेलकर ने अपने परिवार के साथ टोकरखाडा स्कूल पहुंचकर किया मतदान ■ बिना किसी बाधा के सुबह 7:00 से शुरू हुआ मतदान शाम 6:00 बजे तक अनवरत चला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 7 मई। दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट पर आज चुनाव संपन्न हो गया और आदिवासी आरक्षित वाले इस लोकसभा सीट पर गत लोकसभा के मुकाबले लगभग 10% से कम मतदान दर्ज किया गया है और लगभग 280253 मतदाता संख्या वाले दादरा नगर वाली लोकसभा सीट पर 72.51% मतदान दर्ज किया गया है। जिला निर्वाचन विभाग द्वारा जारी किए गए सूचना के अनुसार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का अंतर काफी रहा। जहां शहरी इलाके में मतदान का प्रतिशत कम रहा, वहीं दादरा नगर हवेली के ग्रामीण विस्तरों में मतदान का प्रतिशत अधिक रहा है और लगभग कहीं-कहीं पर 80% से अधिक मतदान दर्ज किए गए हैं। दादरा नगर हवेली जिला निर्वाचन विभाग द्वारा इस लोकसभा सीट पर कुल 306 मतदान केंद्र बनाए गए थे। जिसमें 6 मतदान केंद्र आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए थे और इन मतदान केंद्रों पर अलग-अलग कैटेगरी के आदर्श मतदान केंद्र घोषित किए गए थे। सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर लोगों ने जमना शुरू कर दिया था और लंबी लाइन भी दिखने लगी थी। लेकिन दोपहर की बढ़ती धूप के साथ मतदान केन्द्रों से मतदाता गायब होने लगे और 12:00 बजे से लेकर लगभग 4:00 बजे तक मतदान केंद्र खाली रहे। लेकिन 4:00 बजे के बाद एक बार फिर से मतदाताओं ने लंबी-लंबी लाइन लगाकर मतदान करना शुरू कर दिया। ग्रामीण विस्तारों में लोगों ने सुबह से ही मतदान करने का निर्णय किया था जबकि शहरी विस्तारों में लोग दोपहर के बाद मतदान केन्द्रों पर भारी संख्या में इकट्ठा हो रहे थे। जिला निर्वाचन विभाग द्वारा विभिन्न मतदान केन्द्रों पर कई तरह की सुविधा मतदाताओं के लिए की गई थी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक किशोरी ने बताया कि मतदान केन्द्रों को पूरी तरह से सुरक्षित एवं मतदान करने हेतु बनाने के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी। जिसमें पीने के पानी के साथ-साथ लोग मतदान करने आए लोगों के लिए बैठने और छांव की व्यवस्था भी की गई थी। जिससे कि कोई भी मतदान के दौरान कुछ भी परेशानियों का सामना न करना पड़े। दादरा नगर वाली लोकसभा सीट पर कुल 5 प्रत्याशी मैदान में थे। जिसमें भारतीय कांग्रेस पार्टी की तरफ से अजीत माहला तो भारतीय जनता पार्टी की तरफ से न्यू वर्तमान सांसद कला डेलकर, वहीं आदिवासी विकास पार्टी की तरफ से दीपक कुरकुटिया कुराड़ा और बहुजन समाज पार्टी की तरफ से संदीप बोरसा और एक निर्दलीय प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। लेकिन पूरे चुनाव के दौरान सिर्फ भारतीय जनता पार्टी का चुनाव प्रचार अग्रसर रहा और किसी भी राजनीतिक पार्टी अथवा निर्दलीय उम्मीदवार का चुनाव प्रचार के दौरान उपस्थित नगण्य रही। यहीं कारण है कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कला डेलकर की लोकप्रियता सिर्फ चर्चा का विषय रही और चुनाव में मतदाताओं तक भारतीय जनता पार्टी अपनी पैठ पहुंचने में भी सफल रही। दोपहर 12:00 बजे भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कला डेलकर ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मतदान कर लोगों से भारी से भारी संख्या में मतदान कर मोदी के भारत विजन को पूरा करने का आह्वान किया।

दीव में शादी से पहले दूल्हे राजा ने परिवार के साथ किया मतदान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 07 मई। दीव में आज लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान के लिए लोगों में गजब का उत्साह देखा गया। दीव में शादी से पहले दूल्हे राजा ने मतदान के कर्तव्य को प्रमुखता देते हुए परिवार के साथ किया। मुस्लिम समाज के एक युवक ने निकाह पढने से पहले अपने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर मतदान किया और लोगों को भी मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर दीव जिला निर्वाचन अधिकारी ने दूल्हे राजा एवं उसके परिवार से मुलाकात कर अभिनंदन भी दिया।

मतदान करने अमेरिका से गुजरात आई युवती, टिकट पर खर्च किए 3 लाख रुपए

बनासकांठा । चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान के लिए निर्वाचन आयोग समेत विभिन्न संगठन जागृति अभियान चलाते हैं। चुनाव के दिन मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके लिए सार्वजनिक अवकाश का ऐलान भी किया जाता है। बावजूद इसके कई मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग नहीं करते। ऐसे मतदाताओं को अमेरिका से केवल वोट डालने आई युवती से प्रेरणा लेनी चाहिए। अपने एक वोट की अहमित को समझते हुए युवती अमेरिका से गुजरात आई। टिकट पर तीन लाख रुपए खर्च करके युवती केवल वोट डालने के लिए गुजरात आई है। बनासकांठा जिले के डीसा की मूल निवासी युवती ने आज सुबह शहर की नगर प्राथमिक स्कूल में अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान करने अमेरिका से आई इस युवती का पहले पोलिंग बूथ पर स्वागत किया गया।

चंद्रबाबू की जमानत के खिलाफ सुनवाई टली

नई दिल्ली । आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू को हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह इस मामले को 10 हफ्ते बाद सुनेगी। यह

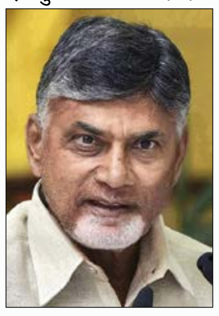

याचिका आंध्र प्रदेश सरकार की तरफ से दाखिल की गई है। नायडू को स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन घोटाला मामले में 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। 31 अक्टूबर को स्किल डेवलपमेंट घोटाले में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने उन्हें मेडिकल ग्राउंड पर अंतरिम जमानत दी थी। तब वे राजमुंदरी जेल से करीब 53 दिन बाद बाहर आए थे। 20 नवंबर को हाईकोर्ट ने उन्हें रेगुलर बेल दे दी। नायडू के खिलाफ आंध्र प्रदेश की जांच एजेंसियों ने पांच अलग-अलग मामलों में जांच चल रही है। इसके बाद आंध्र प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपील करते हुए हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करने के निर्देश की मांग की थी। सरकार ने कहा है कि नायडू एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वे एक सरकारी कर्मचारी सहित अपने दो प्रमुख सहयोगी पहले ही देश से भागने की व्यवस्था कर चुके हैं।

पश्चिम बंगाल बारिश से 12 लोगों की मौत

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य के विभिन्न जिलों में हो रही भारी बारिश से अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम ने सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त करते हुए बताया कि बिजली गिरने से पूर्व बर्धमान में 5 और पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं नादिया में दीवार ढहने से 2 और साउथ 24 परगना में पेड़ गिरने से 1 शख्स की मौत हो गई। मौसम विभाग ने 10 मई तक राज्य में इसी तरह आंधी-तूफान की आशंका जताई है। ममता बनर्जी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग पीड़ितों के परिवार को राहत और मुआवजा राशि देगा। पिछले कुछ दिनों से चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे कोलकाता समेत राज्य के कई जिलों में सोमवार को कई जिलों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। जिससे तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली।

गुजरात के इस पोलिंग बूथ पर फिर एक बार हुआ 100 प्रतिशत मतदान

अहमदाबाद । भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां प्रत्येक वोट की कीमत मायने रखती है7 गुजरात में एक ऐसा पोलिंग बूथ है जहां वर्षों से सिर्फ एक वोटर के लिए पूरा मतदान केन्द्र तैयार किया जाता है और वहां 15 कर्मचारियों का स्टाफ शाम 6 बजे तक तैनात रहता है। यह बूथ मध्य गिर के जंगलों के बीच है, जो जूनागढ़ से 110 किलोमीटर की दूरी पर पौराणिक मंदिर के पास है। बाणेज नामक पोलिंग बूथ के महंत हरिदास इकलौते मतदाता हैं। हरिदास पौराणिक मंदिर के महंत हैं और उनके मतदान करते ही 100 प्रतिशत मतदान के संकेत मिल जाते हैं। आज भी महंत हरिदास के वोटिंग करते ही सौ फीसदी मतदान हो गया। मतदान के बाद महंत हरिदास ने कहा कि लोकतंत्र की जीवंत रख मेरे लिए खास व्यवस्था करने पर मैं निर्वाचन आयोग का आभारी हूं। उन्होंने हरेक मतदाता से अपने मताधिकार का उपयोग करने की और कहा कि मतदान करना हमारा कर्त्तव्य है। चुनाव लोकतंत्र की धरोहर है, जिसे संभालना हम सभी की जिम्मेदारी है। दरअसल निर्वाचन आयोग वर्ष 2002 से बाणेज में विशेष मतदान केन्द्र की व्यवस्था करता आ रहा है। महंत हरिदास से पहले महंत भरतदास के लिए यहां खास पोलिंग बूथ बनाया जाता था। महंत भरतदास के लिए निर्वाचन आयोग हर चुनाव में बाकायदा 5 से 8 लोगों की टीम भेजकर विशेष मतदान केन्द्र की व्यवस्था करता था। 1 नवंबर 2019 को बाणेज के महंत का निधन हो गया था। जिसके बाद से निर्वाचन आयोग महंत भरतदास के अनुगामी हरिदास के लिए खास पोलिंग बूथ की व्यवस्था करता है। गिर जंगल एशियाटिक शेरों का ठिकाना है, जहां खूंखार वन्यजीव होने के बावजूद भरतदास मंदिर में अकेले ही रहते थे। भरतदास के बाद अब उनके अनुगामी महंत हरिदास भी मंदिर में अकेले रहते हैं और लोकतंत्र के पर्व में भाग लेकर लोगों को प्रेरित करते हैं।

उत्तराखंड में जंगलों में आग के बीच टल गया बड़ा हादसा... जलता पेड़ वाहन पर गिरा

देहरादून । उत्तराखंड में जंगलों की आग कई दिनों से धधक रही है, इसकारण अभी तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं एक बड़ा हादसा मंगलवार को टल गया। दरअसल, हल्द्वानी से निर्माण सामग्री लेकर पदमपुरी जा रहे पिकअप वाहन के ऊपर चांफी के पास जलता पेड़ गिर गया। वाहन में फंसे चालक को लोगों ने बाहर निकाला। गनीमत रही कि समय रहते ड्राइवर को बचा लिया। पीड़ित चालक नवीन ने बताया कि बीते चार दिनों से जंगल लगातार जल रहे हैं। नवीन ने बताया कि चालकों की मदद से उसे बाहर निकाल लिया गया, जिससे उसकी जान बच गई। वहीं डीजीपी अभिनव कुमार ने कहा, 'जंगल में आग लगाने वालों को चिन्हित किया जाएगा और दोषियों पर कार्रवाई होगी। अगर जरूरत पड़ी तब गैंगस्टर एक्ट में भी कार्रवाई होगी। अबतक 13 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं 4 लोग पकड़े गए हैं। वहीं वन विभाग के आईएफएस निशांत वर्मा ने कहा कि आग की घटनाओं को लेकर सभी जिलों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। हर दिन इन नोडल अधिकारियों से रिपोर्ट ली जाएगी। फायर वॉचर का भी इंश्योरेंस किया जाएगा। पौड़ी और अल्मोड़ा के जंगलों में लगी आग को बुझाने के लिए एनडीआरएफ को बुलाया जाएगा।

सलमान खान के घर फायरिंग मामले में हुआ नया खुलासा

– मुंबई क्राइम ब्रांच ने कहा-शूटरों को रुपया और रेकी करने में की थी मदद

मुंबई, । बॉलीवुड एक्टर सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने इस मामले में पांचवें आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार किया है, जिसका नाम मोहम्मद चौधरी है। टीम ने बताया कि चौधरी ने दोनों शूटरों सागर पाल और विक्की गुप्ता को रुपया पहुंचाने और रेकी करने में मदद की थी। चौधरी को आज मुंबई लाया जा रहा है, जहां उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा और हिरासत की मांग की जाएगी।

बता दें कि इससे पहले सलमान खान के घर फायरिंग करने वाले एक आरोपी ने पुलिस कस्टडी में आत्महत्या कर ली थी। आरोपी अनुज थापन के परिवार ने उसकी मौत की जांच सीबीआई से कराने की मांग करते हुए बंबई हाईकोर्ट का रुख किया था। पुलिस का दावा है कि अनुज थापन ने हवालात में आत्महत्या की जबकि उसकी मां रीता देवी ने हाईकोर्ट में दायर याचिका में आरोप लगाया कि उसके बेटे की हत्या की गई है।

दिल्ली एलजी ने की केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश

-दो लोगों ने वीके सक्सेना को पत्र लिखकर की जांच की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कथित शराब घोटाले की वजह से जेल में बंद अरविंद केजरीवाल की मुसीबत कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। अब दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एनआईए जांच की सिफारिश की है। एलजी को शिकायत मिली थी कि आप और इसके मुखिया ने खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) से फंडिंग ली है।

सूत्रों के मुताबिक एक अप्रैल को आशू मोंगिया नाम के एक व्यक्ति ने एलजी वीके सक्सेना को पत्र लिखकर जांच की मांग की थी। मोंगिया खुद को वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन का महासचिव बताते हैं। आम आदमी पार्टी के सदस्य रहे मुनीष रायजादा ने भी एलजी से जांच की मांग की थी। अब राजभवन ने गृहमंत्रालय से जांच की सिफारिश की है। मोंगिया का कहना है कि उन्होंने वॉट्सएप पर एसएफजे के गुरपतवंत सिंह पन्नू का वीडियो देखा था जिसमें उसने दावा किया था कि केजरीवाल ने आतंकी भुल्लर को छोड़ने का वादा करते हुए 16 मिलियन डॉलर की फंडिंग ली थी। मोंगिया का कहना है कि वॉट्सएप पर वीडियो देखने के बाद उन्होंने शिकायत करने का फैसला लिया। आम आदमी पार्टी का कहना है कि मोंगिया बीजेपी नेता हैं। मोंगिया इससे इनकार करते हुए खुद को एक हिंदू संगठन का नेता बताते हैं।

राजभवन की ओर से गृहमंत्रालय को भेजे गए पत्र में आप के पूर्व नेता मुनीश रायजादा का भी जिक्र किया गया है। अमेरिका के शिकागो में डॉक्टर रायजादा 2015 तक आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी थे। संगठन की गतिविधियों को लेकर एक वेबसाइट बनाने की वजह से आप से उन्हें निकाल दिया गया था। पन्नू के वीडियो के बाद उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट करके केजरीवाल पर कई आरोप लगाए थे। एलजी को केजरीवाल के खिलाफ शिकायत के साथ एक पेन ड्राइव भी सौंपी गई है, जिसे अब जांच के लिए भेजा गया है।

दरअसल, पन्नू ने एक वीडियो जारी करके दावा किया था कि आम आदमी पार्टी ने 2014 से 2022 के बीच उससे 16 मिलियन यूएस डॉलर (करीब 134 करोड़) रुपए की फंडिंग ली थी। पन्नू ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने आतंकी देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर को जेल से रिहा करने का भरोसा दिया था, जिसे पूरा नहीं किया। वहीं, आम आदमी पार्टी ने एलजी की ओर से की गई जांच की सिफारिश को अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई साजिश करार दिया है। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि बीजेपी दिल्ली में सभी सात सीटों पर हार रही है इसलिए वह हमारे नेता अरविंद केजरीवाल के खिलाफ नई-नई साजिश रच रही है।

मुसलमानों को आरक्षण जरूर मिलना चाहिए, लालू प्रसाद के बयान से बिहार की राजनीति गरमाई

पटना। इस समय देश में लोकतंत्र का महाकुंभ चल रहा है। इस चुनाव में देश की राजनीतिक पार्टियां अपने वोटरों को लुभाने के लिए कई वादे भी कर रही हैं। वहीं इस लोकसभा चुनाव के दौरान धर्म के आधार पर मुस्लिम आरक्षण एक बड़ा मुद्दा बन गया है। इसको लेकर पक्ष और विपक्ष तरह-तरह की बयानबाजी कर रहा है। एक ओर जहां इंडिया गठबंधन के नेता इसका समर्थन कर रहे तो वहीं एनडीए और बीजेपी खेमा इसका विरोध करता नजर आ रहा है। इस बीच राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने पटना में पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में सीधे तौर पर कहा कि मुस्लिमों को आरक्षण मिलना चाहिए। लालू प्रसाद यादव विधान परिषद सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। यहां उन्होंने पत्रकारों से मुखातिब हुए कहा कि मुसलमानों को आरक्षण जरूरी मिलना चाहिए। उनसे पत्रकारों ने पूछा कि पीएम मोदी और बीजेपी आरोप लगा रहे हैं कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो ओबीसी का आरक्षण मुसलमानों को दे दिया जाएगा। इस पर लालू ने मुसलमानों के आरक्षण का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि मुसलमनों को भी आरक्षण मिलना चाहिए। गौरतलब है कि कर्नाटक में धर्म आधारित आरक्षण पर बीजेपी हमलावर है। पीएम मोदी कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे को आधार बनाकर जनता के बीच जा रहे हैं। पीएम मोदी चुनावी जनसभाओं में कई बार कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संविधान के खिलाफ है। कांग्रेस तुष्टीकरण की राजनीती के लिए ओबीसी का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को दे रही है। अब लालू यादव ने मुसलमानों के आरक्षण का समर्थन कर सियासत को और गर्मा दिया है। बता दें कि एमएलसी शपथ ग्रहण समारोह में लालू प्रसाद यादव विधान परिषद में पहुंचे और इस दौरान लालू और नीतीश आमने सामने भी हुए, लेकिन दोनों ने बातचीत नहीं की।

मायावती ने जातिगत समीकरणों को आधार बना सजाई सियासी फील्डिंग

-बारामती लोकसभा सीट पर पवार परिवार की लड़ाई का फायदा उठाने का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बारामती लोकसभा सीट पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। बारामती इलाके में पवार वर्सेज पवार की लड़ाई है। इस लड़ाई के बीच बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने जातिगत समीकरणों को आधार बनाकर यहां सियासी फील्डिंग सजाने का दावा कर रही है। बसपा नेता मानते हैं कि उनको दोनों पवार परिवार में हुई लड़ाई का फायदा मिलने वाला है। इसके अलावा बसपा जातिगत समीकरणों के आधार पर खुद को इस लड़ाई में मान रही है। पार्टी का मानना है कि मीडिया महाराष्ट्र में बसपा को हल्के में ले रही है, लेकिन यहां पर सियासी परिणाम चौंकाने वाले आएंगे।

चुनाव प्रचार खत्म होने से कुछ घंटे पहले बसपा में एक बड़ी जनसभा की। इस जनसभा में मौजूद महाराष्ट्र पश्चिम के जोन प्रभारी कालू राम चौधरी ने कहा कि बारामती लोकसभा सीट के इतिहास को अगर आप देखेंगे, तो पता चलेगा कि यह बसपा का गढ़ रही है। यहां पर हाथी चुनाव चिन्ह से एमपी भी चुने गए हैं और एमएलए भी। यह तो मीडिया है, जो उनको चुनावी लड़ाई में शामिल नहीं करता है। बसपा ने इस सीट पर प्रियदर्शनी कोकरे को प्रत्याशी बनाया है। कोकरे धनकर समाज से आती हैं और 23 लाख में इस लोकसभा क्षेत्र में साढ़े छह लाख वोटर धनकर समाज का है। इसके अलावा दलित और मुस्लिम समाज भी उनके साथ है।

इसके अलावा दोनों पार्टियां, जो यहां पर पहले से मैदान में चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन यहां पर पवार वर्सेस पवार की लड़ाई हो गई। तो वह नाराज लोग भी तो हमारे साथ आ गए हैं। इसलिए यह कहना कि बसपा यहां पर कमजोर है गलत है। बसपा यहां पर मजबूत स्थिति में है। परिणाम चौकाने वाले हो सकते हैं। सभा में बाबू पवार ने कहा कि बारामती में पवार परिवार ने विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। जो घोटाले किए गए थे उससे डरकर अजित पवार भाजपा के साथ मिल गए। इसकी जानकारी महाराष्ट्र में बच्चे-बच्चे को है। इसलिए यहां की जनता ने इस बार बसपा के पक्ष में मतदान करने का मन बना चुकी है।

जनसभा को संबोधित करते हुए धनकर समाज से यशवंत ब्रिगेड के प्रमुख ने कहा कि बारामती का धनखड़ समाज पूरी तरीके से बसपा के साथ जुड़ चुका है। पवार परिवार सिर्फ अपने घर की लड़ाई लड़ रहा है। जबकि यह इलाका पानी जैसी मूलभूत सुविधा से जूझ रहा है। अब यहां पर कोई अपनी बेटी के लिए लड़ाई लड़ रहा है, तो कोई अपनी पत्नी के लिए लड़ाई लड़ रहा है। जनता की जरूरत और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिए तो कोई लड़ ही नहीं रहा है।

बसपा के जिला सचिव उमेश ने कहा यहां से दस किलोमीटर दूर उनका गांव है। वहां जाकर देखिए लोग पानी के लिए कैसे तरसते हैं। अजित दादा, जो यहां पर विकास की बात करते हैं वह बहुत सीमित है। उस विकास का न तो इलाके में कोई असर है और न ही बारामती शहर में। यहां का युवा नौकरी के लिए दूसरे शहरों में जा रहा है। जो इंडस्ट्रियल एरिया डेवलप हुआ है, वहां पर उनके क्षेत्र के लोगों को नौकरियों नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रचार के लिए 500-500 रुपये खर्च करके यूपी और बिहार से आने वाली महिलाओं को क्षेत्र में ले जाया जाता है। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से बसपा में आकाश आनंद ने एंट्री ली है, उससे उनकी पार्टी को बड़ा फायदा होने वाला है। हमारे सभी कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत झोंक कर बारामती में सियासी माहौल बना लिया है। यह सीट बसपा ही जीतेगी।

आज भारत के प्रधानमंत्री ने रोक रखा है तीसरा विश्व युद्ध

-बीजेपी प्रत्याशी कंगना बोलीं-रूस और यूक्रेन भी चाहते हैं मोदी का मार्गदर्शन

मंडी (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश के मंडी सीट से बीजेपी प्रत्याशी कंगना रनौत का एक बयान वायरल हो रहा है। इसमें कंगना कहते हुए दिख रही है कि आज पीएम नरेंद्र मोदी ने तीसरे विश्व युद्ध होने से रोक रखा है। यह बयान कंगना ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए दिया था। कंगना ने कहा था कि आज रूस और यूक्रेन पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ देखते हैं और उनका मार्गदर्शन भी चाहते हैं। यही कारण है आज तीसरा विश्वयुद्ध रुका हुआ है, क्योंकि मोदी खुद विश्व शांति के पक्षधर हैं। कंगना ने कहा कि नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। आज हमें इस बात पर गर्व होना चाहिए कि हम उस पार्टी से ताल्लुक रखते हैं, जो विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और हमारे पास नरेंद्र मोदी जैसा सक्षम नेतृत्व है।

बता दें कि इससे पहले भी कंगना के कई ऐसे बयान दिए हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं जिसमें उन्होंने कभी पीएम मोदी को भगवान राम का अवतार बताया तो कभी भगवान विष्णु का। जारी वायरल वीडियो 3 मई 2024 का है और यह बयान सुंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले चौकी गांव में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिया गया था।

कंगना ने कहा कि 4 जून को चुनावी नतीजे जब बीजेपी के पक्ष में होंगे तो कांग्रेस के नेताओं को एहसास हो जाएगा कि हिमाचल में टुकड़े गैंग सोच का कोई स्थान नहीं हैं। कंगना ने कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह पर हमला बोले हुए कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी अहंकार में आकर बीजेपी नेताओं का अपमान कर रहे हैं। चुनावी नतीजे आने के बाद रावण व कौरवों की तरह विक्रमादित्य सिंह का अहंकार चकनाचूर हो जाएगा।

मतदान का आंकड़ा जारी करने में चुनाव आयोग क्यों कर रहा देरी

-खड़गे ने इंडिया गठबंधन के नेताओं को लिखा पत्र, आवाज उठाने का आग्रह

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन के सहयोगी नेताओं को पत्र लिखकर चुनाव आयोग के रवैये और मतदान के आंकड़े जारी करने में देरी पर सवाल उठाए हैं। खरगे ने पत्र में इंडिया गठबंधन के नेताओं से आग्रह किया कि वे ऐसी विसंगतियों के खिलाफ आवाज उठाएं और हमारा एकमात्र उद्देश्य एक जीवंत लोकतंत्र की संस्कृति और संविधान की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि हमें केंद्रीय चुनाव आयोग की स्वतंत्रता सुनिश्चित करनी चाहिए और इसे जवाबदेह बनाना चाहिए।

खड़गे ने कहा कि इंडिया के तौर पर लोकतंत्र की रक्षा करना और चुनाव आयोग की स्वतंत्र कार्यप्रणाली की रक्षा करना हमारा सामूहिक प्रयास होना चाहिए। उपरोक्त सभी तथ्य हमें यह सवाल पूछने के लिए मजबूर करते हैं। क्या यह अंतिम परिणामों में गड़बडी करने का प्रयास तो नहीं है?

उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि पीएम मोदी और बीजेपी पहले दो चरणों में मतदान के रुझानों से किस तरह घबराए हुए और निराश दिख रहे हैं। पूरा देश जानता है कि सत्ता के नशे में चूर एक निरंकुश शासन पद पर बने रहने के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

नीलेश बने बीजल मेहता, 2024 का लोकसभा चुनाव उनके लिए है खास

-सेक्स चेंज कराकर बने महिला अब संभालेंगे चुनाव का काम

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के एक अधिकारी 2009 से बराबर लोकसभा चुनाव में ड्यूटी कर रहे हैं, लेकिन 2024 का चुनाव उनके लिए बेहद खास है। इसकी वजह है कि वह पहली बार महिला बनकर चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने जा रहे हैं। इससे पहले उन्होंने तीन चुनाव में पुरुष रहकर चुनावी काम किया था।

एक रिपोर्ट के मुताबिक वडोदरा में डिप्टी मामलतदार नीलेश मेहता अब बीजल मेहता बन चुके हैं। उन्होंने 2020 में सेक्स चेंज करा लिया है। वह नीलेश मेहता के तौर पर 2009 से 2019 तक तीन लोकसभा चुनाव में ड्यूटी कर चुके हैं। 2024 में वह बीजल बनकर चुनाव में ड्यूटी करते नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि मैं एक महिला के तौर पर अपनी ड्यूटी निभाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। यहां मेरे सहकर्मी परिवार से भी ज्यादा हैं और मुझे सहज महसूस कराते हैं। मेहता वडोदरा कलेक्ट्रेट की चुनावी शाखा में पदस्थ हैं। नामांकन से लेकर वेबकास्टिंग समेत कई जिम्मेदारियां उनके पास हैं।

इससे पहले बीजल मेहता पोरबंदर में थे, लेकिन इलाज के दौरान 2023 में वह वडोदरा आ गई थीं। उन्होंने बताया कि वह इलाज के लिए कई बार वडोदरा और अहमदाबाद आती रहती थीं। ऐसे में वडोदरा शिफ्ट होना उनके लिए आसान रहा। उन्होंने कहा कि चार सालों की काउंसिलिंग और हॉर्मोनल थैरेपी के बाद उन्होंने सर्जरी कराई थी जिसके बाद वह नीलेश मेहता से बीजल मेहता बनीं। बीजल मेहता बताती हैं कि कक्षा 9 से ही वह अपने जेंडर को लेकर सहज नहीं थीं। उन्होंने कहा कि उस समय उनकी फीलिंग्स किसी के भी साथ शेयर करना मुश्किल था। 2012 के आसपास उन्होंने फैसला किया कि उनको महिला बनना है। वह स्वीकार करती हैं कि सर्जरी के बाद उन्हें अपनी नौकरी को लेकर भी चिंता थी, लेकिन उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई उनके सभी साथी उन्हें सेपार्ट करते हैं।

मौसम बदलेगा मिजाज, कई राज्यों में हो सकती है बारिश और ओलावृष्टि

– देश कुछ राज्यों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस वक्त देश में गर्मी अपने शबाब पर है। इस गर्मी से बचने लोग ठंडा पेय और मुंह ढंककर घर से बाहर निकल रहे हैं। देश के कई राज्यों में तो हीटवेव का जोर है। इससे बीमार लोगों से अस्पताल भरे पड़े हैं। वही मौसम भी अपने मिजाज बदल रहा है। देश कुछ राज्यों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है तो वहीं कुछ इलाकों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावनाएं है। वहीं मौसम विभाग ने 7 मई को पूर्वी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड और विदर्भ के कुछ हिस्सों में ओले गिरने की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के मुताबिक गुजरात, विदर्भ, तमिलनाडु, राजस्थान, पश्चिम मध्य प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक के कुछ हिस्सों में हीटवेव का दौर जारी रहेगा। इसके अलावा गंगीय पश्चिम बंगाल में आंधी और बारिश भी हो सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में आज 42 डिग्री तापमान के बीच आंधी और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में गर्मी के साथ 9 मई तक तेज हवाओं चलने की संभावना है। हालांकि, 11 और 12 मई को दिल्ली में गरज-चमक के साथ बारिश होने के भी आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक इस हफ्ते दिल्ली का अधिकतम तापमान 41-42 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। वहीं न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत में मध्यम बारिश और गरज के साथ बिजली गिरने और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है। 7 मई को असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं गंगीय पश्चिम बंगाल में 7 और 8 मई को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। इसके अलावा 7 से 9 मई के बीच पूर्वी बिहार, पूर्वी झारखंड, ओडिशा, दक्षिणी छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और दक्षिणी कर्नाटक में हल्की से मध्यम बारिश और तूफान, बिजली और ओलावृष्टि हो सकती है।

वहीं पूर्वी और दक्षिणी मध्य प्रदेश, विदर्भ में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बारिश होने की संभावना है। उत्तराखंड और केरल में हल्की बारिश संभव है। अगले 24 घंटों के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और तटीय

आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखंड और तमिलनाडु में एक या दो स्थानों पर लू चल सकती है लोगों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

जियो, एयरटेल, वोडाफोन 96,317 करोड़ की स्पेक्ट्रम नीलामी में भाग लेंगी

नई दिल्ली।

रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी दूरसंचार कंपनियों ने छह जून से शुरू होने वाली 96,317 करोड़ रुपये की स्पेक्ट्रम नीलामी में बोली लगाने के लिए आवेदन जमा कर दिया है। इससे पहले 2022 में हुई पिछली नीलामी में अडाणी समूह की कंपनी का नाम आश्चर्यजनक रूप से बोली लगाने वालों में आया था। हालांकि, इस बार की नीलामी में कोई नया नाम नहीं है। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया कि रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए आवेदन जमा किए हैं। सरकार मोबाइल फोन सेवाओं के लिए लगभग 96,317 करोड़ रुपये के आधार मूल्य पर आठ स्पेक्ट्रम बैंड की नीलामी करेगी। 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1,800 मेगाहट्र्ज, 2,100 मेगाहट्र्ज, 2,300 मेगाहट्र्ज, 2,500 मेगाहट्र्ज, 3,300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज बैंड में सभी उपलब्ध स्पेक्ट्रम नीलामी का हिस्सा हैं। आधार मूल्य पर

कुल स्पेक्ट्रम का मूल्य 96,317 करोड़ रुपये है।

स्पेक्ट्रम 20 साल के लिए आवंटित किया जाएगा और सफल बोलीदाताओं को 20 समान वार्षिक किस्तों में भुगतान करने की अनुमति दी जाएगी। दूरसंचार विभाग ने आगामी नीलामी के माध्यम से प्राप्त स्पेक्ट्रम को न्यूनतम 10 साल की अवधि के बाद 'सरेंडर' करने का विकल्प प्रदान किया है। विभाग 10 मई को आवेदकों का स्वामित्व विवरण प्रकाशित करेगा।

आवेदन वापस लेने की अंतिम तिथि 17 मई है और बोलीदाताओं की अंतिम सूची 20 मई को घोषित की जाएगी।

इंडिया रेटिंग्स ने बढ़ाया भारत का वृद्धि दर अनुमान

मुंबई।

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया। यह अनुमान रिजर्व बैंक के सात प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा अधिक है। घरेलू रेटिंग एजेंसी ने बयान में कहा कि सरकारी पूंजीगत व्यय बने रहने, कॉरपोरेट और बैंकिंग क्षेत्र के बही-खाते में कर्ज की कमी और आरंभिक निजी कॉरपोरेट पूंजीगत व्यय से मिले मजबूत समर्थन ने उसे वृद्धि अनुमान में संशोधन करने के लिए मजबूर किया है। इसके साथ ही रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उपभोग मांग का व्यापक आधार नहीं होना और वैश्विक स्तर पर सुस्त वृद्धि के कारण निर्यात में आने वाली बाधाएं भारत की जीडीपी वृद्धि को सीमित कर सकती है। एजेंसी ने उम्मीद जताई कि निजी अंतिम उपभोग व्यय में वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर सात प्रतिशत हो जाएगी, जो वित्त वर्ष 2023-24 में तीन प्रतिशत थी। यह तीन साल का उच्चतम स्तर होगा।इस रिपोर्ट में मौजूदा उपभोग मांग को अत्यधिक विषम बताते हुए कहा गया है कि यह उच्च आय वर्ग से संबंधित परिवारों द्वारा बड़े पैमाने पर उपभोग की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं से प्रेरित है जबकि ग्रामीण खपत कमजोर बनी हुई है।इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि सामान्य से बेहतर

मानसून रहने से गेहूं की सरकारी खरीद के चालू वित्त वर्ष में 3.7 करोड़ टन रहने पर खपत बढ़ सकती है। पिछले वित्त वर्ष में गेहूं की खरीद 2.6 करोड़ टन रही थी।

सेबी ने ट्रेडिंग का समय बढ़ाने का प्रस्ताव किया खारिज

- एनएसई ने दिया था डेरिवेटिव मार्केट में समय बढ़ाने का प्रस्ताव

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को डेरिवेटिव सेगमेंट में कारोबार का समय बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था मगर बाजार नियामक ने प्रस्ताव पर ब्रोकरों के एकमत नहीं होने की वजह से उसे खारिज कर दिया। एनएसई ने बाजार नियामक से डेरिवेटिव मार्केट को अतिरिक्त तीन घंटे शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक खोलने का अनुरोध किया था। एनएसई का तर्क था कि इससे बाजार भागीदारों को देर शाम वैश्विक संकेतों का आकलन करने और उसके हिसाब से खरीद-बिक्री करने में मदद मिलेगी। लेकिन शेयर ब्रोकरों में इस पर सहमति नहीं थी। ब्रोकरों का कहना था कि इससे उनकी लागत बढ़ जाएगी और अतिरिक्त तकनीक की भी जरूरत होगी। एनएसई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस प्रस्ताव को फिलहाल ठंडे बस्ते में डालने की पुष्टि की। एनएसई के नतीजों पर विश्लेषकों के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि फिलहाल कारोबार का समय बढ़ाने की कोई योजना नहीं है क्योंकि ब्रोकरों की ओर से इस बारे में अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिलने की वजह से सेबी ने हमारा आवेदन खारिज कर दिया। इसलिए मार्केट का समय बढ़ाने की योजना फिलहाल स्थगित कर दी गई है।' इस साल की शुरुआत में शेयर ब्रोकरों के निकाय एसोसिएशन ऑफ नैशनल एक्सचेंजेज मेंबर्स ऑफ इंडिया ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। हालांकि बंबई स्टॉक एक्सचेंज ब्रोकर्स फोरम अलग सेगमेंट के पक्ष में नहीं था। बाजार नियामक ने बाजार में कारोबार का समय बढ़ाने के साथ ही अन्य मुद्दों पर ब्रोकरों के बीच आम राय बनाने के लिए ब्रोकर्स इंडस्ट्री स्टैंडर्ड फोरम का गठन किया था जिसमें ब्रोकरों के तीन संगठन बतौर सदस्य शामिल थे। सूत्रों के अनुसार आईएसएफ ने पिछले महीने प्रस्ताव पर अपनी टिप्पणियां सौंपी थीं।

उसने न तो बाजार का समय बढ़ाने की जरूरत की पुष्टि की और न ही इससे जुड़ी चुनौतियों से इनकार किया। बाजार नियामक ने एक्सचेंज के परिचालन, सौदों का निपटान, पोजीशन की निगरानी और जोखिम प्रबंधन के मसले पर सवाल उठाए थे।

लेनदेन का ब्योरा हटाकर ई-रुपए को बनाया जा सकता है गोपनीय शक्तिकांत दास

- कानून या टेक्नोलाजी से दूर की जा सकती है ई-रुपए की गोपनीयता से जुड़ी चिंता

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि लेनदेन के ब्योरे को स्थायी रूप से हटाकर ई-रुपये या सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को गोपनीय बनाया जा सकता है। इससे यह कागजी मुद्रा के समान हो जाएगी। हाल ही में आयो जित बीआईएस इनोवेशन सम्मेलन में दास ने कहा कि सीबीडीएस के ऑफलाइन हस्तांतरण को लेकर भी काम किया जा रहा है। 2022 के अंत में सीबीडीसी की लॉन्चिंग के साथ इसकी गोपनीयता को लेकर चिंता बनी हुई है। कुछ लोगों का कहना है कि सीबीडीसी से लेनदेन का रिकार्ड तैयार हो जाता है, जबकि कागजी मुद्रा के लेनदेन में गोपनीयता बनी रहती है।` रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि कानून या टेकनोलाजी से ई-रुपये की गोपनीयता से जुड़ी चिंता दूर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि अभी भी खुदरा लेनदेन में यूपीआई को प्राथमिकता दी जा रही है लेकिन आने वाले समय में यह स्थिति बदल सकती है। बीआईएस इनोवेशन समिट में बोलते हुए दास ने कहा कि भारत अपने वित्तीय समावेशन लक्ष्यों में मदद के लिए प्रोग्रामेबिलिटी फीचर पेश करने के साथ-साथ सीबीडीसी को ऑफलाइन मोड में हस्तांतरणीय बनाने पर भी काम कर रहा है। यह ध्यान दिया जा सकता है कि 2022 के अंत में सीबीडीसी की शुरुआत के बाद से गोपनीयता पहलू के बारे में चिंताएं रही हैं, कुछ लोगों का कहना है कि इलेक्ट्रॉनिक प्रकृति एक निशान छोड़ देगी जहां सभी मुद्रा का उपयोग किया गया है, नकदी के विपरीत जो गुमनामी प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मूल सिद्धांत यह है कि सीबीडीसी में नकदी के समान ही गुमनामी की डिग्री हो सकती है, न अधिक और न कम। अतीत में दास और उनके डिप्टी टी रबी शंकर सहित आरबीआई अधिकारियों ने कहा है कि प्रौद्योगिकी गोपनीयता पर ऐसी चिंताओं का समाधान प्रदान करती है। इस बीच दास ने दोहराया कि भारत सीबीडीसी को ऑफलाइन मोड में भी हस्तांतरणीय बनाने पर काम कर रहा है, उन्होंने बताया कि नकदी की प्रमुख विशेषताओं में से एक यह है कि इसे काम करने के लिए नेटवर्क कनेक्टिविटी की आवश्यकता नहीं है।

रुपया चार पैसे बढ़कर 83.48 डॉलर पर

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच रुपये ने मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया और चार पैसे मजबूत होकर 83.48 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निकासी से स्थानीय मुद्रा पर दबाव पड़ा और इसकी तेजी पर रोक लगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.48 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.52 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 105.18 पर रहा।

देश के कई राज्यों में महंगा हुआ पेट्रोल और डीजल

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चा तेल हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने मंगलवार को ईंधन की नई कीमतें जारी कर दी हैं। गुजरात, गोवा, झारखंड, केरल, एमपी और मणिपुर समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। वहीं महाराष्ट्र, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, बिहार और जम्मू-कश्मीर में ईंधन की कीमतें घटी हैं। नई दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.43 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME - TANDEL DHARMESHKUMAR JAMIYATBHAI TO **NEW NAME - DHARMESH JAMIET**
RESIDENT OF H.NO. 12/255,BORAJIVA SHERI,NANI DAMAN, DAMAN, DAMAN AND DIU- 396210

तू क्यों मुझसे नहीं बोलता

तू क्यों मुझसे नहीं बोलता, तू क्यों मुझसे नाराज है!
मैनें तुम्हे दो-चार बात ही तो बोला, जो मेरा अधिकार है!!
बचपन में तो बहुत डॉटा था मैनें, तब तो सब स्वीकार्य था!
याद है! तेरा मचान पर छिपना, तब तो तू पीटाने को भी तैयार था!!
तब तो कोई शिकायत नहीं, तुझे सब कुछ स्वीकार्य था!!!
अब तू क्यों मुझसे नहीं बोलता, तू क्यों मुझसे नाराज है?

बचपन में जब मैं डाटता था, तो हंसकर तूने स्वीकार किया!
फिर हमें बेवकूफ बनाकर हँसते हुए भाग लिया!!
तेरे पढ़ने के खातिर, हमने पिताजी को सलाह दिया!
और तू पढ़कर के मेरे भाई, मुझको ही भुला दिया!!
किसको इतना मानता है तू, जो अपने घर को जला दिया!
आज तू इतनी छोटी बात पर, इतना दुरी बना लिया!!

पूर्वज भी नाराज है हमसे, कि उनके वंशज बट गए!
किसने समझाया! कौन आकर, घर को अंदर से तोड़ गए!!
माना की मज़बूरी है, अपने परिवार को बसाने की!
अपने परिवार को ख़ुशी देकर, खुश होने और इठलाने की!!
जिसकी चिंता है तुम्हे, उसको भेजने वाला संभाल लेगा!
तुम उसे संस्कार दो, वो हर जगह उसे बचा लेगा!!

बड़ा भाई हूँ मैं तेरा, बाप के बाद स्थान है!
जो चाहिए सब कुछ ले ले, देने को तैयार हैं!!
अभी वक्त है, आ जाओ! ये खाली, बाहें पुकार रही!
तेरे सीने से लगने को, मेरी बेचैनी बढ़ा रही!!
तू क्यों मुझसे नहीं बोलता, तू मुझसे क्यों नाराज है!
आओ अब साथ चलें, आओ हम साथ चलें!!

- देवी प्रसाद श्रीवास्तव

पश्चिम बंगाल बारिश से 12 लोगों की मौत

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि राज्य के विभिन्न जिलों में हो रही भारी बारिश से अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम ने सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त करते हुए बताया कि बिजली गिरने से पूर्व बर्धमान में 5 और पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं नादिया में दीवार ढहने से 2 और साउथ 24 परगना में पेड़ गिरने से 1 शख्स की मौत हो गई। मौसम विभाग ने 10 मई तक राज्य में इसी तरह आंधी-तूफान की आशंका जताई है। ममता बनर्जी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन विभाग पीड़ितों के परिवार को राहत और मुआवजा राशि देगा। पिछले कुछ दिनों से चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे कोलकाता समेत राज्य के कई जिलों में सोमवार को कई जिलों में तेज हवाओं के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। जिससे तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली।

POLLUTION CONTROL COMMITTEE DNH & DD

प्रदूषण नियंत्रण समिति
संघ प्रदेश प्रशासन दादरा एवं नगर हवेली एवं दमन एवं दीव
प्रथम तल, उद्योग भवन, भेंसलोर, नानी दमन, दमन - ३९६२१०
Ph.: 0260 - 2262524 / 2260975, e-mail – pcc-dnhdd@ddd.gov.in

सार्वजनिक सूचना

प्लास्टिक -अपशिष्ट प्रबंधन नियम, २०२२

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) ने १६ फरवरी, २०२२ की अधिसूचना संख्या जीएसआर १३३ (ई) के माध्यम से प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, २०२२ को अधिसूचित किया है। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम २०१६ ने प्लास्टिक पैकिजींग अपशिष्ट के संग्रहण और पुनः चकर्ण के लिए उत्पादक, आयातक, ब्रांड स्वामी पर विस्तारित उत्पादक उतरदायित्व डाला है। विस्तारित उत्पादक उतरदायित्व पूर्व-उपभोक्ता और पश्च उपभोक्ता के लिए प्लास्टिक पैकिजींग अपशिष्ट दोनों पर लागू होगा। पंजीकरण के लिए एसओपी, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ), प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम -२०२२ की सभी जानकारी https://eprplastic.cpcb.gov.in/ पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, २०२२ के नियम-6 के प्रावधानों के अनुसार उत्पादक, आयातक, ब्रांड स्वामी, और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसर जैसे सभी हितधारकों को CPCB के EPR पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करना आवश्यक है। उपरोक्त सभी संबंधित हितधारकों को निम्नलिखित का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया जाता है:

१) सीपीसीबी के ईपीआर पोर्टल https://eprplastic.cpcb.gov.in/ पर आवेदन करें।
२) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, २०२२ के अनुसार किसी भी उत्पादक, आयातक, ब्रांड स्वामी और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसर प्लास्टिक -अपशिष्ट ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण के बिना अपना व्यवसाय नहीं करेगा।

अधिकारियों के साथ-साथ हितधारकों यानी उत्पादक, आयातक, ब्रांड स्वामी और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसर की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम २०२२ में सूचीबद्ध हैं। इसके द्वारा सभी हितधारकों को प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम-२०२२ के प्रावधानों का अनुपालन के लिए उचित और आवश्यक कार्रवाई करने के लिए सूचित किया जाता है। उपरोक्त नियमों के प्रावधानों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, १९८६ के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

No:- PCC/DMN/2/5/2024-25/320.
dtd:- 4/5/2024

सदस्य सचिव

मतदान कर अडानी ने कहा, भारत आगे बढ़ रहा...ये सिलसिला जारी रहना चाहिए

अहमदाबाद (ईएमएस)। देश के बड़े कारोबारी घराने अदानी समूह के अध्यक्ष और अरबपति गौतम अडानी ने लोकसभा चुनाव में अपना मतदान किया है। तीसरे चरण के दौरान उन्होंने गुजरात में मतदान किया। मतदान करने के लिए वे अपने इलाके की पोलिंग बूथ पहुंचे जो कि अहमदाबाद में है। गौरतलब है कि गुजरात की सभी सीटों पर एक साथ एक ही चरण में मतदान हो रहा है। इसी बीच उद्योगपति अडानी ने भी लाइन में लगाकर अन्य लोगों की तरह ही वोट डाला। मतदान करने के बाद गौतम अडानी ने कहा कि यह लोकतंत्र का त्यौहार है। उन्होंने लोगों से अपील की कि घर से बाहर निकल कर मतदान जरूर करें। उन्होंने कहा कि भारत आगे बढ़ रहा है और यह सिलसिला जारी रहना चाहिए। निर्वाचन आयोग (ईसी) के अधिकारी ने बताया कि आम चुनाव के तीसरे चरण में गुजरात की 25 लोकसभा सीटों पर दोपहर एक बजे तक 37.83 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य की 26 लोकसभा सीटों में से 25 सीटों के लिए 265 उम्मीदवार मैदान में हैं। नौ में से आठ योग्य उम्मीदवारों द्वारा अपना नामांकन फॉर्म वापस लेने के बाद सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सूरत सीट निर्विरोध जीत ली। भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल को विजेता घोषित किया गया। इन बड़े नेताओं ने डाला वोट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय

गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गुजरात के मुख्य चुनाव अधिकारी पी भारती शुरुआती मतदाताओं में शामिल थे। प्रधानमंत्री मोदी ने शहर के रानीप इलाके में निशान स्कूल में अपना वोट डाला। वहीं शाह ने नाराणपुरा इलाके में एक मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। ये दोनों गांधीनगर लोकसभा सीट के अंतर्गत आते हैं।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने करोड़ों की कीमत की हेरोइन जप्त की

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पांच करोड़ रुपये से ज्यादा की हेरोइन जब्त की है। इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि क्राइम ब्रांच ने महीनों तक चले ऑपरेशन के बाद आरोपियों को उत्तर प्रदेश के बरेली और झारखंड के हजारीबाग से गिरफ्तार किया। उनके पास से कुल 2।269 किलोग्राम हेरोइन और 1।053 किलोग्राम क्रूड (हेरोइन) बरामद की गई। आरोपियों की पहचान मोहम्मद आतिफ, अशरफ, आरिफ अली, अली उर्फ रुखसार उर्फ राजू और मोहम्मद मुख्तार अंसारी के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि हाल ही में विशेष जानकारी मिली थी कि एक ड्रग तस्कर आतिफ अपने एक रिसीवर को भारी मात्रा में ड्रग देने के लिए छत्ता रेल चौक फ्लाईओवर इलाके के पास आएगा। पुलिस ने जाल बिछाया और आतिफ को गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी के दौरान एक बैग के अंदर से एक किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ के दौरान उसने खुलासा किया कि बरामद हेरोइन उसे बरेली के अशरफ ने दी थी। इसे अनाज मंडी (नरेला) में उसके रिसीवर तक पहुंचाना था। पुलिस ने कहा, बरेली में अशरफ के ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन वह वहां से फरार मिला। बाद में उसे 5 फरवरी को बरेली के ध्रुव अस्पताल से गिरफ्तार कर लिया गया।

अमेरिकी बैंक क्यों हो रहे दिवालिया?

प्रहलाद सबनानी

पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है।

अमेरिका में वर्ष 2023 में 3 बैंक (सिलिकन वैली बैंक, सिगनेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक) डूब गए थे एवं वर्ष 2024 में भी एक बैंक (रिपब्लिक फर्स्ट बैंक) डूब गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अमेरिकी केंद्रीय बैंक, यूएस फेडरल रिजर्व, द्वारा ब्याज दरों में की गई वृद्धि के चलते बैंकों के असफल होने की यह परेशानी बहुत बढ़ गई है।

सिलिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी और यह अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था और हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है। इसी प्रकार, सिगनेचर बैंक ने न्यूयॉर्क कानूनी फर्म एवं अचल सम्पत्ति कम्पनियों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर रखी थीं। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 11,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति थी और अमेरिका में हाल ही के समय में डूबने वाले बड़े बैंकों में चौथे स्थान पर आता है। 31 जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की कुल सम्पत्तियां 600 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं जमाराशि 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर थीं। न्यू जर्सी, पेनसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में बैंक की 32 शाखाएं थीं जिन्हें अब फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में जाना जाएगा क्योंकि फुल्टन बैंक ने इस बैंक की सम्पत्तियों एवं जमाराशि को खरीद लिया है।

पीयू रिसर्च संस्थान के अनुसार, चार शताब्दी पूर्व, वर्ष 1980 एवं वर्ष 1995 के बीच अमेरिका में 2,900 बैंक असफल हुए थे। इन बैंकों के पास संयुक्त रूप से 2.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति थी। इसी प्रकार, वर्ष 2007 से वर्ष 2014 के बीच अमेरिका में 500 बैंक, जिनकी कुल सम्पत्ति 95,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, असफल हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अमेरिका में सामान्यतः बैंक असफल नहीं होते हैं। परंतु, इस सम्बंध में अमेरिकी रिकार्ड कुछ और ही कहानी कह रहा है। वर्ष 1941 से वर्ष 1979 के बीच, अमेरिका में औसतन 5.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 1996 से वर्ष 2006 के बीच औसतन 4.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं एवं वर्ष 2015 से वर्ष 2022 के बीच औसतन 3.6 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकी बैंकों को 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ था। इसके पूर्व, वर्ष 1921 से वर्ष 1929 के बीच अमेरिका में औसतन 635 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। यह अधिकतर छोटे आकार के बैंक एवं ग्रामीण बैंक थे और यह एक ही शाखा वाले बैंक थे। अमेरिका में आई भारी मंदी के दौरान वर्ष 1930 से वर्ष 1933 के बीच 9,000 से अधिक बैंक असफल हुए थे। इनमें कई बड़े आकार के शहरों में कार्यरत बैंक भी शामिल थे और उस समय इन बैंकों में जमाकर्ताओं की भारी भरकम राशि डूब गई थी। वर्ष 1934 से वर्ष 1940 के बीच अमेरिका में औसतन 50.7 बैंक प्रतिवर्ष बंद किए गए थे। अमेरिका में इतनी भारी मात्रा में बैंकों के असफल होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल है कि वहां छोटे छोटे बैंकों की संख्या बहुत अधिक होना है। बैंकों के ग्राहक बहुत पढ़े लिखे और समझदार हैं। बैंक में आई छोटी से छोटी परेशानी में भी वे बैंक से तुरंत अपनी जमाराशि को निकालने पहुंच जाते हैं, जबकि बैंक द्वारा इस राशि से खड़ी की गई सम्पत्ति को रोकड़ में परिवर्तित करने में कुछ समय लगता है। इस बीच बैंक यदि जमाकर्ता को जमाराशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है और इस प्रकार बैंक असफल हो जाता है। कई बार बैंकों द्वारा किए गए निवेश (सम्पत्ति) की बाजार में कीमत भी कम हो जाती है, इससे भी बैंकें अपने जमाकर्ताओं को जमाराशि का भुगतान करने में असफल हो जाते हैं। अभी हाल ही में अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी की गई है, जिससे इन बैकों द्वारा अमेरिकी बांड में किये गए निवेश की बाजार में कीमत अत्यधिक कम हो गई है। अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व, का पूरा ध्यान केवल मुद्रा स्फीति को कम करने पर है एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग कम हो और मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाया जा सके। इसके चलते कई कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही है एवं देश में युवा वर्ग बेरोजगार हो रहा है।

पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है। अमेरिका में बैकों के असफल होने की समस्या मुख्यतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की गई वृद्धि के कारण उत्पन्न हुई हैं। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उत्पादों की मांग को कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करने के स्थान पर बाजार में उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए ताकि इन उत्पादों की कीमत को कम रखा जा सके। प्राचीन भारत में उत्पादों की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाता था, जिसके कारण मुद्रा स्फीति की समस्या भारत में कभी रही ही नहीं है। बल्कि भारत में उत्पादों की प्रचुरता के चलते समय समय पर उत्पादों की कीमतें कम होती रही हैं। ग्रामीण इलाकों की मंडियों में आसपास ग्रामों में निवास करने वाले ग्रामीण व्यापारी एवं उत्पादक अपने उत्पादों को बेचने हेतु एकत्रित होते थे, सायंकाल तक यदि उनके उत्पाद नहीं बिक पाते थे तो वे इन उत्पादों को कम दामों पर बेचना प्रारम्भ कर देते थे ताकि गांव जाने के पूर्व उनके समस्त उत्पाद बिक जाएं एवं उन्हें इन उत्पादों को अपने गांव वापिस नहीं ले जाना पड़े। इस प्रकार भी विभिन्न उत्पादों की भारतीय मंडियों में मांग से अधिक आपूर्ति बनी रहती थी। अतः उत्पादों की कमी के स्थान पर उत्पादों की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता पर ध्यान दिया जाता था, इससे प्राचीन भारतीय ग्रंथों में मुद्रा स्फीति का जिक्र ही नहीं मिलता है। दूसरे, पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक मॉडल एवं नियमों को बहुत जटिल बना दिया गया है। इससे भी कई प्रकार की आर्थिक समस्याएं खड़ी हो रही है जिसका हल विकसित देश नहीं निकाल पा रहे हैं।

संपादकीय

सहभागी और सक्रिय अदालतें

सर्वोच्च न्यायालय ने आपराधिक मामलों की सुनवाई में अदालतों को सहभागिता-सक्रियता का निर्देश दिया है। कहा है कि अदालतें गवाहों, खास कर गुमराह हुए गवाहों, के बयान दर्ज करने वाला टेप-रिकार्डर भर नहीं हैं। दरअसल, यह पैसिवनेस है, जो दोतरफा मार करती है। पहले तो सरकारी वकील ऐसे गवाहों के प्रति ढीले पड़ जाते हैं। वे उससे जरूरी सवाल भी नहीं करते जिनसे कि उसके मुकरने की सटीक वजह मालूम होती। कोई भी आपराधिक मुकदमा गुमराह गवाहों की बदौलत जीता जाता है। इसमें सरकारी वकील, जो अभियोजन पक्ष के होते हैं, वे अपने पैने सवालों से सच उगलवा सकते हैं, पर वे इन सवालों को जानबूझ कर टाल जाते हैं। उनका यह कतराना भी बिका हुआ होता है, जबकि उन्हें सरकार से मोटी पगार मिलती है। इस स्थिति में बदलाव के लिए सरकारी वकीलों के पदों को वकील की राजनीतिक निष्ठा के आधार पर नहीं, उसकी पेशेवर सक्षमता के अनुसार भरा जाना चाहिए। योग्यता और नैतिक निष्ठा सबसे जरूरी आस्पेक्ट है। गलत और अक्षम वकीलों के चयन से मुकदमा जरूरी स्टेज पर कमजोर होने लगता है। दोषी मुकदमा जीत जाता है। पीड़ित को कभी भरोसा ही नहीं होता कि उसकी सुनवाई निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से होगी, उसे अंततः न्याय मिलेगा। यहां सबसे बड़ी क्षति न्यायाधीशों की अ-सक्रियता से होती है, जब वे अपनी भूमिका को गवाहों के बयान दर्ज करने तक सीमित कर अ-सहभागी हो जाते हैं। यह दोहरा घाटा है। इससे न्याय के उस प्राथमिक सिद्धांत का खंडन हो जाता है, जिसे सुलभ कराने के लिए न्यायपालिका का गठन हुआ है। इससे बचने के लिए सर्वोच्च न्यायालय अदालतों से गवाहों से जिरही होने की ताकीद करती है ताकि सच का खुलासा हो सके। मुकदमे पर रोशनी पड़े। पीड़ितों को न्याय मिले। यह बिल्कुल वाजिब ताकीद है। प्रायः देखा गया है कि बड़े से बड़ा कांड, यहां तक कि नरसंहार मामलों में भी गवाहों के मुकरने और अदालतों के जिरही न होने से दोषी छूटते रहे हैं। इससे न्याय व्यवस्था की भारी किरकिरी होती रही है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा निर्देश में इस नासूर हो चुकी स्थिति की एक बुनियादी पड़ताल है। अदालतों को सक्रिय होना है। इस अंदाज में कि अपराध का दूसरा पहलू सामने आ सके क्योंकि ह्यकोई अपराध आखिर में एक व्यक्ति के विरु द्ध ही नहीं, समाज के विरु द्ध भी होता है।ह्व क्या यह न्यायिक सक्रियता का आगाज है? नहीं, इसकी अपनी सीमा है पर यह कई बार न्याय व जन हित में लाजिमी है।

चिंतन-मनन

व्यापारी के बेटे

एक व्यापारी के दो पुत्र थे। मरने से पहले उसने अपनी संपत्ति दोनों बेटों में बराबर-बराबर बांट दी। एक पुत्र ने अपने व्यापार को काफी बढ़ाया। वह अत्यंत संपन्न होकर समाज के प्रतिष्ठत लोगों में गिना जाने लगा। जबकि दूसरे को व्यापार में घाटा हो गया और उसके परिवार को दो जून की रोटी जुटाने में भी अत्यंत तकलीफें उठानी पड़ीं। अपने भाई की तरक्की और अपनी दुर्दशा देखकर दूसरा भाई एक संत के आश्रम में पहुंचा और बोला, महाराज, मुझे लगता है कि ईश्वर केवल कल्पना है और यदि उसका अस्तित्व कहीं है भी तो वह पक्षपाती है। क्या वह भी पक्षपात करता है? मैं और मेरे भाई दोनों एक ही पिता की संतान हैं। पिता ने दोनों को बराबर हिस्सा दिया। लेकिन वह लगातार तरक्की कर रहा है और मैं रसातल की ओर जा रहा हूं। भला ऐसा क्यों?

उसकी बात सुनकर संत उसे अपने साथ एक बगीचे में ले गए और बोले, देखो, वहां एक कोने में गन्ना बोया हुआ है, दूसरे कोने में चिरायता है, एक ओर चमेली के फूल अपनी सुगंध बिखेर रहे हैं तो दूसरी ओर गुलाब के पौधों पर फूलों के साथ कांटे भी नजर आ रहे हैं । इनकी इस भिन्नता के लिए इन्हें पैदा करने वाली जमीन दोषी या पक्षपाती नहीं है। जैसा बीज बोया गया है वैसा ही फल मिला है। सुख-दुख और उन्नति-अवनति के लिए ईश्वर जिम्मेदार नहीं बल्कि स्वयं मनुष्य जिम्मेदार है। उसके कर्म और संस्कार जिम्मेदार हैं। तुम्हारे भाई ने मेहनत और योग्यता से अपने काम को संभाला तो उसकी उन्नति होती गई, इसके विपरीत तुमने आलस्य और भोग-विलास में अपना समय व्यतीत किया तो तुम्हारा धन धीरे-धीरे खत्म होता गया। तुमने मेहनत की ही कब थी जो ईश्वर को दोष दे रहे हो। जैसा कर्म तुमने किया है वैसा ही फल पाया है। ह सुनकर दूसरे पुत्र की आंखें खुल गईं। वह अपनी गलती सुधारने का निश्चय कर वहां से चला आया।

मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें

संजय गोस्वामी

देश में पहला लोकसभा चुनाव 25 अक्टूबर 1951 से लेकर 21 फरवरी 1952 तक चला था। उस समय पूरे देश में चुनाव कराया एक जटिल प्रक्रिया थी। सबकुल नया भी था। भारत के पहले चुनाव आयुक्त सुकुमार सेन थे। चुनाव आयोग के पास बड़ी जिम्मेदारी थी। देश का पहला आम चुनाव 68 चरणों में कराया गया था। पहले इलेक्शन कमिशन ने तय किया था कि वोटिंग 1952 के फरवरी और मार्च महीने में होगी। लेकिन हिमाचल प्रदेश की चिनी तहसील के लोगों को अक्टूबर 1951 में ही मौका मिल गया, क्योंकि सर्दियों में बर्फबारी के चलते यह इलाका बाकी जगहों से कट जाता है। देश के पहले लोकसभा चुनाव में 401 निर्वाचन क्षेत्रों की कुल 489 सीटों के लिए मतदान हुआ था। तब बैलेट पेपर पर चुनाव हुआ करता था।संविधान हमें वोट देने का अधिकार देता है, जो एक मौलिक अधिकार है जिसका प्रयोग भारत के सभी नागरिकों को करना चाहिए। मतदान प्रतिशत में गिरावट को रोकने के लिए वर्तमान राजनीतिक रुझानों और प्रणालियों में आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। मतदान करते समय सतर्क रहना और सोच-समझकर निर्णय लेना महत्वपूर्ण है। हाल के चुनावों के नतीजों में मतदाता मतदान में कमी देखी गई है, जिससे यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक बदलावों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है कि मतदाताओं को सरकार में एक सच्चा प्रतिनिधि मिले। भारत में लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से शुरू होकर और 1 एक जून तक वोटिंग होगी। सात फेज में इलेक्शन होंगे और 4 जून को नतीजे आएंगे। लेकिन ये बात भी गौर करने वाली है कि इस बार लोकसभा चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया 44 दिनों में पूरी होगी जो 1951-52 के पहले ससंदीय चुनाव के बाद मतदान की सबसे लंबी अवधि होगी। बता दें कि पहले चुनाव में वोटिंग 4 महीने से अधिक समय तक चली थी। इस बार निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा से लेकर मतगणना होने तक तक चुनाव प्रक्रिया कुल 82 दिनों में पूरी होगी। मतदान न केवल एक अधिकार है बल्कि एक कर्तव्य भी है जो हमारे देश के भविष्य को आकार देने में मदद करता है। इसमें सरकारों को बदलने, देश को बेहतर बनाने और सामाजिक परिवर्तन लाने की शक्ति है। मतदान करके, हम उन प्रतिनिधियों को चुनते हैं जो हमारे देश पर शासन करते हैं, इसलिए हमारे देश के विकास के लिए सभी नागरिकों के लिए इस प्रक्रिया में भाग लेना महत्वपूर्ण है। मतदान हमें उस प्रकार की सरकार में अपनी बात कहने का अधिकार देता है जो हम चाहते हैं और देश की प्रगति में योगदान करते हैं। यह हमें महिलाओं, बच्चों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों के अधिकारों की वकालत करने में भी सक्षम बनाता है। स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता अभियान छात्रों को लोकतंत्र में मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करते हैं। सभी के लिए जरूरी है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग करें और देश के विकास में अपना योगदान दें।

'राहुल गांधी, आसान नहीं रायबरेली की डगर...!'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ पाने की हिम्मत के बाद आखिर परम्परागत रायबरेली से नामांकन दाखिल कर दिया। यह बात सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस सन्देश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और मां सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यहां सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा।

क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी जमीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहां से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थी, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पाई है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था।

कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहां लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहां तक कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रोबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए।

ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि कांग्रेस ने आनन-फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो सन्देश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहां कांग्रेस का परम्परागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू-गांधी परिवार की विरासत भी है।

कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नए सिरे से अपनी जमीन तैयार करनी पड़ती है। और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है। राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहां से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं।

मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। जब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसा तो तब हुआ, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, इसलिए कांग्रेस उत्तर प्रदेश में अच्छी खासी जीत हासिल करती थी। लेकिन अब उत्तर प्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। अब कांग्रेस के पास पहले जैसा वोट बैंक भी नहीं है, हालांकि इस चुनाव में सपा का समर्थन कांग्रेस के पास है, इसलिए चुनाव में सपा के कार्यकर्ता भी राहुल का प्रचार करेंगे, ऐसे में निश्चित ही कांग्रेस का वजूद बढ़ेगा ही, यह तय है, लेकिन कितना बढ़ेगा, यह कहने में जल्दबाजी ही होगी।

वर्तमान में कांग्रेस के लिए यह पेचीदा सवाल ही था कि कांग्रेस की ओर से अमेठी और रायबरेली से किसको उम्मीदवार घोषित किया जाए, क्योंकि इन दोनों सीटों पर प्रथम तो गांधी परिवार का पुख्ता दावा बनता था। इसलिए दोनों क्षेत्रों में से किसी एक से प्रियंका वाड्रा को चुनाव मैदान में उतारने की कवायद भी की जा रही थी, लेकिन प्रियंका को इस बार चुनाव लड़ने से दूर कर दिया। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी के रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कांग्रेस अमेठी के चुनाव को गंभीरता से लेगी, क्योंकि अब कांग्रेस का पूरा जोर राहुल गांधी को जिताने में लगेगा।

राहुल गांधी को जिताना कांग्रेस की मजबूरी है, क्योंकि अब राहुल गांधी ही नहीं, पूरी कांग्रेस की साख दांव पर लगी है। अगर कांग्रेस रायबरेली से चुनाव हारती है तो देश में कांग्रेस के बारे में गलत सन्देश जाएगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी आ रहा है कि राहुल गांधी द्वारा पिछले चुनाव में भी दो स्थानों से चुनाव लड़े थे, जिसमें अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वायनाड से उम्मीदवारी के बाद रायबरेली की रुख करके फिर से संदेह को जन्म दिया है। ऐसा लग रहा है कि इस बार वायनाड का चुनाव बहुत ही टक्कर का माना जा रहा है। कुछ खबरें तो राहुल गांधी के हारने तक की बात कह रही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसलिए ही राहुल गांधी को फिर से दो स्थानों से चुनाव लड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी का उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ना कोई नया नहीं है, वे अमेठी से भी चुनाव लड़ चुके हैं। इसलिए उनके नाम का जादू कोई नया प्रभाव छोड़ेगा, यह पूरी तरह विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता।

- सुरेश हिंदुस्तानी (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आईपीएल में आज होगा सनराइजर्स और सुपर जायंट्स में मुकाबला

हैदराबाद (एजेंसी)। सनराइजर्स हैदराबाद बुधवार को आईपीएल में अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर प्लऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बरकरार रखने का प्रयास करेगी। जो भी टीम इस मैच में हारी उसका बाहर जाना तय है। ऐसे में इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। इस मैच के परिणाम से अन्य टीमों की प्लेऑफ की संभावनाओं पर भी प्रभाव पड़ेगा। सनराइजर्स को पिछले मैच में मुम्मई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था जिससे उसका मनोबल कमजोर हुआ है। शुरुआती मैच में जमकर रन बनाने वाले सनराइजर्स के बल्लेबाज पिछ्ले कुछ मैचों से विफल रहे हैं। टीम हालांकि इस मैच में अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड से आक्रामक शुरुआत की उम्मीद करेगी। उसका लक्ष्य अधिक से अधिक रन बनाना रहेगा क्योंकि उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है। कप्तान पीट कमिंस के अलावा उसके अन्य गेंदबाज अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। दूसरी ओर केएल राहुल की कप्तानी में लखनऊ की टीम भी पिछ्ले मैच में केकेआर से हारी थी। तब लखनऊ की टीम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी नाकाम रही। उसकी बल्लेबाजी की कमान राहुल के अलावा मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन के पास रहेगी। टीम की गेंदबाजी यश ठाकुर के अलावा रवि बिश्नोई के पास रहेगी। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल से बाहर हो गए हैं जबकि बायें हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान को भी चोट लगी है इससे उसे नुकसान हुआ है।

हेड को छोड़कर सनराइजर्स के अन्य बल्लेबाज पिछ्ले कुछ मैचों में खराब फॉर्म में रहे हैं। युवा अभिषेक शर्मा पिछ्ले चार मैचों में 30 रन से आगे नहीं जा सके हैं। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने स्वीकार किया कि हर बार सलामी बल्लेबाजों पर ही जिम्मेदारी नहीं छोड़ी जा सकती, मध्यक्रम को भी कमान संभालनी होगी। हेनरिच क्लासेन लगातार अच्छा खेलने में नाकाम रहे हैं और नीतिश रेड्डी ने भी कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है। टी नटराजन ने अच्छी गेंदबाजी की है जबकि अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने भी लय हासिल कर ली है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाइंट्स ने कोलकाता के खिलाफ इकाना स्टेडियम पर निराशाजनक प्रदर्शन किया और 137 रन पर

आउट हो गई। कप्तान केएल राहुल नाकाम रहे जबकि मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन भी बड़ी पारियां नहीं खेल सके।

इस मैच में हालांकि बारिश से बाधा आ सकती है। हैदराबाद में मैच के दिन सुबह मौसम साफ रहने की उम्मीद है पर मैच शुरू होने से पहले बारिश के आसार हैं। ऐसे में अगर बारिश के कारण ये मैच नहीं होता है तो लखनऊ और सनराइजर्स को झटका लगेगा।

अब तक सनराइजर्स हैदराबाद ने 11 मैचों में से 6 जीते है और वह अंक तालिका में चौथे स्थान पर है उसके 12 अंक हैं वहीं नेट रन रेट -0.065 का है जबकि दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स ने भी 11 मैचों में से 6 जीते हैं और वह भी 12 अंकों और -0.371 के नेट रन रेट के साथ तालिका में 5वें स्थान पर हैं। ऐसे में इस मैच को जीतने वाली टीम 14 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगी पर बारिश के कारण अगर खेल नहीं हो पाता है तो दोनों ही टीमों को एक-एक अंक मिलेगा और दोनों टीमें 13 अंक तक पहुंच जाएंगी। जिससे चेन्नई सुपर किंग्स अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच जाएगी। अभी वह 12 अंकों के साथ ही तीसरे नंबर पर है।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद = पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, मार्को जानसन, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, सनवीर सिंह, ट्रैविस हेड, मयंक अग्रवाल, नितीश कुमार रेड्डी

लखनऊ सुपर जाइंट्स =केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), मार्कस स्टोइनिस, एश्टन टर्नर, आयुष बदोनी, क्रुणाल पंड्या, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, मोहसिन खान, यश ठाकुर, अर्शिन कुलकर्णी, युद्धवीर सिंह, दीपक हुडा, निकोलस पूरन।

शुभमन गुजरात टाइटंस की कप्तानी के लिए सबसे बेहतर पर उन्हें काफी कुछ सीखना होगा: मिलर

अहमदाबाद (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा कि युवा शुभमन गिल गुजरात टाइटंस की कप्तानी के लिए सबसे उपयुक्त खिलाड़ी हैं पर उन्हें अभी काफी कुछ सीखना होगा। शुभमन को इस सत्र की शुरुआत में हार्दिक पंड्या के मुम्बई टीम में जाने के कारण नया कप्तान बनाया गया था। उनके लिए ये सत्र हालांकि अच्छा नहीं रहा और टीम के साथ ही शुभमन का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। इसके बाद भी मिलर इस युवा खिलाड़ी को कप्तानी देने को सही मानने हैं। मिलर ने आरसीबी और जीटी मैच के बाद कहा कि शुभमन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जैसा कि हम सभी जानते हैं। वह अब भी युवा है लेकिन मुझे अब भी लगता है कि वह कप्तानी के लिए सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं। शुभमन ने आरसीबी के खिलाफ 7 गेंदों में 2 रन बनाए जबकि मिलर ने 20 गेंदों में 30 रन बनाये। मिलर ने इसी को लेकर कहा कि शुभमन एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं, जैसा कि हम सभी जानते हैं, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने को साबित किया है। शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टाइटंस का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और आईपीएल 2024 के प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। टीम को अपने 11वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पडा था। इस मैच में गुजरात टाइटंस गुजरात आईपीएल 2024 की अंक तालिका में 9वें स्थान पर आ चुकी है। टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहने से शुभमन पर सवाल उठ रहे हैं।

आईपीएल में एक शतक और लगते ही बनेगा सबसे अधिक शतकों का रिकार्ड

अब तक 12 शतक लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में इस बार जिस प्रकार से शतक लग रहे हैं। उससे साफ है कि शतकों के मामले में एक नया रिकार्ड बनेगा। आईपीएल में मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में सूर्यकुमार यादव के शतक के साथ ही इस सत्र में अब तक 12 शतक लग गये हैं। इससे पहले 2023 सत्र में इतने शतक लगे थे। वहीं एक और शतक के साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक शतक का नया रिकॉर्ड बन जाएगा क्योंकि सत्र में अभी 19 मैच और होने हैं। सनराइजर्स के खिलाफ 102 रन की पारी खेलने के साथ ही सूर्यकुमार ने भी एक उपलब्धि हासिली की है। वह ऐसे दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने मुंबई इंडियंस की ओर से दो शतक बनाए हैं। उनसे पहले केवल रोहित शर्मा ने यह रिकार्ड बनाया था। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 51 गेंद पर 102 रन बनाये। यह आईपीएल 2024 में 12वां मौका है, जब किसी बल्लेबाज ने शतकीय पारी खेली है।

सूर्यकुमार ने टी20 क्रिकेट में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए चौथा शतक बनाया है। इस नंबर पर उनसे ज्यादा शतक सिर्फ ग्लेन मैक्सवेल 5 ही लगा सके हैं। डेविड मिलर 4 शतक के साथ बराबरी पर हैं। सूर्यकुमार ने शतकीय पारी के दौरान तिलक वर्मा 37 के साथ 143 रन की नाबाद साझेदारी की। यह मुंबई इंडियंस के लिए चौथे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड है। आईपीएल की बात करें तो ये लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। सूर्या-तिलक महज एक रन से रिकॉर्ड तोड़ने से दूर रह गए। 144 रन की साझेदारी का यह रिकॉर्ड गुरकीरत सिंह और शिमरन हेटमायर के नाम है। सूर्या का यह टी20 क्रिकेट में ओवरऑल छठा शतक है।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय टीम की जर्सी लॉन्च हुई

मुम्बई(एजेंसी)। अगले माह वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रुप से होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की जर्सी लॉन्च हो गयी है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस जर्सी को लॉन्च करने का एक वीडियों भी सोशल मीडिया पर डाला है। इसमें भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव भी नजर आ रहे हैं। वहीं भारतीय टीम ने भी इस वीडियो को रीपोस्ट किया। वीडियो के साथ लिख है- एक जर्सी। एक राष्ट्र। पेश है नई टीम इंडिया टी20 जर्सी। आगामी आईसीसी शोपीस इवेंट के लिए भारत की जर्सी में वी-आकार की गर्दन पर तिरंगे रंग की रेखाएं और केसरिया रंग की आस्तीन पर क्लासिक एडिडास धारियां होंगी। जर्सी के केंद्र में इंडिया लिखा होने के साथ आगे की तरफ नीला रंग शामिल किया गया है।

बीसीसीआई ने गत सप्ताह ही इस आईसीसी टूर्नामेंट के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम भी घोषित

कर दी थी। भारत को आईसीसी टूर्नामेंट के ग्रुप ए में पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है। भारतीय टीम इसमें अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत 5 जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में आयरलैंड के खिलाफ करेगा, इसके बाद 9 जून को उसी स्थान पर पाकिस्तान के खिलाफ अहम मुकाबला होगा। इसके बाद भारत क्रमशः 12 और 15 जून को अमेरिका और कनाडा से खेलना है।

ब्रेट ली ने सुपर जाइंट्स के कप्तान राहुल के रवैये पर सवाल उठाये

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल के रवैये की अलोचना करते हुए कहा है कि उनके कम स्ट्राइक रेट के कारण अन्य बल्लेबाजों पर जरुरत से ज्यादा दबाव पड़ रहा है। ब्रेट ली के अनुसार राहुल की उतार-चढ़ाव वाली स्ट्राइक रेट के कारण आने वाले बल्लेबाजों को तेजी से खेलने के लिए मजबूर होना पड़ता है। आईपीएल के इस सत्र में पांच सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शामिल होने के बाद भी राहुल की स्ट्राइक रेट पर काफी सवाल उठे हैं। ली ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप केकेआर और लखनऊ दोनों तरफ के शुरुआती बल्लेबाजों को देखें, तो समझ में आत है। केकेआर ने तेज से रन बनाये हैं।

आईपीएल के समय पीएसएल का आयोजन पीसीबी के लिए होगा नुकसानदेह

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को अगले साल पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) का आयोजन अप्रैल-मई में करने जा रहा है। वहीं इसी समय पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) आईपीएल का आयोजन करता है। ऐसे में पीएसएल का आयोजन पीसीबी को महंगा पड़ सकता है। इसका कारण ये है कि पीएसएल के लिए आईपीएल जैसी विश्व की सबसे महंगी टी-20 लीग का मुकाबला करना कठिन रहेगा। इसका कारण है कि पीएसएल को को विदेश खिलाड़ी मिलना कठिन हो जाएंगे क्योंकि सभी की पसंद आईपीएल होता है। अब तक रोवमैन पॉवेल, शेन रदरफोर्ड, सिकंदर रजा, ल्यूक वुड, राइली रूसो, शेमार जोसफ, शाई होप और डेविड विली ही आईपीएल के अलावा पीएसएल के इस सत्र में नजर आए थे। वहीं पिछ्ले कुछ सत्र में आंद्रे रसेल, राशिद खान और सुनील नरेन ने भी पीएसएल में खेला था। यदि दोनों टूर्नामेंट एक ही समय हुए तो विदेशी खिलाड़ी आईपीएल की तरह आयेंगे और पीएसएल को दूसरे दर्जे के ही क्रिकेटर मिल पायेंगे। इसके अलावा पीसीबी को प्रसारण अधिकार के लिए भी मुश्किल होगी क्योंकि दोनो ही टूर्नामेंट एक ही समय पर होते हैं। ऐसे में मैच का समय एक होने से पीएसएल की व्यूवरशिप कम होना तय है। वैसे ही टूर्नामेंट के दौरान स्टेडियम में कम होते दर्शकों से पीसीबी पहले ही परेशान है। अब तक देखा गया है कि आईपीएल के दौरान कोई अन्य क्रिकेट बोर्ड अपनी घरेलू लीग नहीं आयोजित करता है।

द्रविड़ से कही श्रीसंत की एक बात ने बदली सैमसन की तस्वीर

नई दिल्ली। अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का कहना है कि एस श्रीसंत का उनकी सफलता में बड़ा योगदान है। सैमसन के अनुसार तेज गेंदबाज एस श्रीसंत के बोले एक झूठ से उनकी किस्मत बदल गयी। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने काफी पहले रॉयल्स के कप्तान राहुल द्रविड़ से कहा था कि एक स्थानीय मैच में संजू ने उनकी गेंदों पर छह छक्के मारे थे। इसके बाद ही मुझे अवसर मिले। सैमसन ने 2009 में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से आईपीएल में प्रवेश किया हालांकि उन्हे खेलने का अवसर नहीं मिला। पहला खिताब जीतने के बाद फ्रैंचाइजी ने सैमसन को बिना उतारे ही रिलीज कर दिया। यह वही समय था जब सैमसन को अपनी योग्यता साबित करने की जरूरत थी। एक वीडियो में सैमसन ने कहा, केकेआर के साथ होने के कारण मुझे कोई अवसर नहीं मिल रहा था पर पर आरआर के खिलाफ मैच के दौरान जब राहुल द्रविड़ उनकी कप्तानी कर रहे थे तो श्रीसंत ने उन्हें होटल लॉबी में देखा और मेरी सहायता की। उन्होंने उनसे कहा, केरल का एक लड़का है, जिसने मुझे स्थानीय टूर्नामेंट में एक ओवर में छह छक्के लगाए हैं। हमें निश्चित रूप से उसे एक ट्रायल का अवसर देना चाहिए। श्रीसंत की इस बात से सैमसन को सहायता मिली। रॉयल्स ने उन्हें चुना और 2013 में अपने डेब्यू के बाद से ही वे उनकी टीम में एक अहम खिलाड़ी बन गए हैं। एक होनहार बल्लेबाज से लेकर फ्रैंचाइजी का पोस्टर बॉय बनने और अब इसके कप्तान बनने तक सैमसन ने सब कुछ देखा है। सैमसन की कहानी की पुष्टि तब हुई जब श्रीसंत ने स्वीकार किया कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज को आरआर सेट-अप में लाने के लिए उन्होंने झूठ बोला था हालांकि द्रविड़ ने उनकी बात को पकड़ लिया।

टी20 विश्वकप में नजर नहीं आयेंगे आईपीएल में धूम मचाने वाले नरेन

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 सत्र में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से धूम मचाने वाले वेस्ट इंडीज के सुनील नरेन आगामी टी20 विश्वकप कप में नजर नहीं आयेंगे। नरेन से विश्वकप में खेलने के लिए इंडीज टीम के कप्तान रोवमन पॉवेल ने संन्यास से वापसी की अपील की थी पर इस क्रिकेटर ने ये कहते हुए इंकार कर दिया कि ये स्थान किसी युवा क्रिकेटर को मिलना चाहिये। नरेन ने आईपीएल में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं जबकि14 विकेट भी लिए हैं। वह आईपीएल में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की सूची में तीसरे नंबर पर हैं और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की सूची में छठे नंबर पर है। नरेन इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने अब इस टी20 लीग में 41.90 की औसत और 183.66 स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं। इसमें एक शतक शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने 14 विकेट भी लिए हैं। अब तक केवली 5 गेंदबाज ही उनसे ज्यादा विकेट ले पाए हैं इसके बाद भी वह वेस्टइंडीज की टीम में नहीं रहेंगे।

पॉवेल ने नरेन को मनाने की बहुत कोशिश की पर वह नहीं माने। पॉवेल ने कहा कि नरेन को वेस्टइंडीज की विश्व कप टीम का हिस्सा बनना चाहिये। पॉवेल ने कायरन पोलार्ड सहित कई दिग्गजों से भी अपनी बात नरेन तक पहुंचाई पर नरेन ने साफ इंकार कर दिया और कहा कि उन्होंने बहुत सोच समझकर संन्यास लिया है और अब वे इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी नहीं करेंगे। सुनील नरेन ने नवंबर 2023 में ही संन्यास का ऐलान किया है। 34 साल के सुनील नरेन ने वेस्टइंडीज के लिए 6 टेस्ट, 65 वनडे और 51 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2019 में खेला था। इसके बाद से वह वेस्टइंडीज के लिए कभी नहीं खेले हैं. हालांकि, आईपीएल समेत दुनिया की तमाम टी20 लीग में वह खेलते रहे हैं। उन्होंने अब तक 509 टी20 मैच खेले हैं। उन्होंने इन मैचों में 549 विकेट लिए हैं और 4195 रन भी बनाए हैं।

गावस्कर ने विराट के धीमे स्ट्राइक रेट को लेकर दिये बयान का बचाव किया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आईपीएल में विराट कोहली के धीमे स्ट्राइक रेट को लेकर दिये अपने बयान का बचाव किया है। गावस्कर ने कहा कि कमेंटरी करने पर जो दिखता है वही हम बोलते हैं। इस सत्र में 500 से अधिक रन बनाने विराट पावर प्ले में कम स्ट्राइक रेट को लेकर आलोचना का केन्द्र बने थे। इसके बाद कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में 44 गेंद में नाबाद 70 रन की पारी खेलकर सबका मुंह बंद कर दिया था। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स को को मिली जीत के बाद विराट ने स्ट्राइक रेट को लेकर अपनी आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया थी। वहीं उनके बयान से गावस्कर नाराज दिखे। गावस्कर ने कहा कि कमेंटेटर कोहली से सवाल इसलिए पूछ रहे थे क्योंकि वह 118 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी कर रहे थे और 14-15वें ओवर में आउट हुए थे। वहीं विराट ने गुजरात के खिलाफ 70 रन बनाकर कहा था कि वो सभी लोग जो स्ट्राइक रेट और मेरे अच्छे से स्पिन नहीं खेलने के बारे में बात करते हैं वो नहीं जानते कि मेरे लिए केवल टीम को जीत दिलाना ही मायने रखता है। 15 साल तक ऐसा करने की वजह है कि मैंने बहुत से मैदानों पर टीम के लिए मैच खेले और जीते भी हैं। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि जो खुद मैदान पर नहीं होते, उन्हें कमेंटरी बॉक्स में बैठकर ऐसी बातें करनी चाहिए। वहीं इससे पहले गावस्कर ने कहा था कि यदि आप पारी शुरु करते हैं, फिर 14वें या 15वें ओवर में आउट हो जाते हैं और तब भी आपका स्ट्राइक रेट 118 रहता है तो इस स्थिति में अगर आप चाहते हैं कि तालियां मिलें तो यह थोड़ा अजीब है।

सनराइजर्स की हार से सीएसके , सुपरजायंट्स और दिल्ली के प्लेऑफ की राह बनी

मुम्बई(एजेंसी)। आईपीएल लीग मुकाबले में मुंबई इंडियंस की सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत से चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके), लखनऊ सुपरजायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स को लाभ हुआ है। वहीं सनराइजर्स के प्लेऑफ की उम्मीदें कमजोर हुई हैं। वहीं

सनराइजर्स हैदराबाद इस हार के बाद भी अंक तालिका में चौथे नंबर पर कायम है। सनराइजर्स की टीम एक समय अंक तालिका में पहले नंबर पर थी और तब वह टॉप-2 में रहने की उम्मीद कर रही थी पर अब उसे टॉप-4 के लिए भी कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। अंक तालिका में चेन्नई सुपरकिंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपरजायंट्स के एक बराबर 12-12 अंक हैं। इस प्रकार नेट रनरेट के आधार पर उनकी रैंकिंग तीसरी, चौथी और पांचवीं है। तीनों ही

टीमों के अब 3-3 मैच बचे हैं। ऐसे में एक गलती से ये टीमें प्लेऑफ से बाहर होंगी।

यही कारण है कि जब मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराया तो चेन्नई सुपरकिंग्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के प्रशंसकों ने खुशी जाहिर की। चेन्नई और लखनऊ ही नहीं, दिल्ली कैपिटल्स के फैंस की प्लेऑफ की उम्मीद भी हैदराबाद की हार से जाग गई है। दिल्ली की टीम 11 मैचों में से 5 जीतकर 10 अंकों के साथ छठे नंबर पर है। दिल्ली के प्रशंसकों उम्मीद कर रहे हैं कि उनकी पसंदीदा टीम बाकी बचे तीन मैच जीतकर प्लेऑफ में जगह बना सकती है। ऐसा संभव भी है और अगर चेन्नई, हैदराबाद व लखनऊ में से कोई दो टीम जीत जाएं तो दिल्ली आगे निकल सकती है।

सनराइजर्स हैदराबाद की हार से कोलकाता नाइटराइडर्स और राजस्थान रॉयल्स को भी थोड़ी राहत ही मिली होगी। कोलकाता और राजस्थान दोनों ही टीमें 16-16 अंक लेकर पहले दो स्थान पर हैं. अगर वे एक-एक मैच और जीत लेती हैं तो टॉप-2 में रहने का उनका दावा बेहद मजबूत हो जाएगा।

टी20 विश्व कप में भारत की सफलता की कुंजी होंगे ये दो खिलाड़ी : शास्त्री

दुबई। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि आगामी टी20 विश्व कप में शिवम दुबे की बड़े छक्के लगाने की क्षमता से भारत को बड़े स्कोर बनाने में मदद मिलेगी और यशस्वी जायसवाल के साथ दुबे पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा। जायसवाल और दुबे एक जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में पदार्पण करेंगे। शास्त्री ने आईसीसी से कहा, 'दोनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और अपना पहला विश्व कप खेल रहे हैं। एक यशस्वी जायसवाल है जिसने इंग्लैंड के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। वह युवा है और बेखौफ खेलता है।' चेन्नई सुपर किंग्स के लिये खेलने वाले दुबे ने इस सत्र में 11 मैचों में 170.73 की स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं। शास्त्री ने कहा, 'मध्यक्रम में उसे देखिएगा। वह आक्रामक है और मैच विनर है। वह मजे के लिये छक्के लगा देता है और स्पिन गेंदबाजी को बखूबी खेलता है।' उन्होंने कहा, 'तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी वह असरदार है। पांचवें छठे नंबर पर उसकी भूमिका अहम होगी। अगर कोई 20.25 ओवर में खेल का नक्शा बदल सकता है, तो वह है। उसका स्ट्राइक रेट 200 के आसपास है जिससे भारत को काफी मदद मिलेगी।'

ब्रायन लारा की भविष्यवाणी- इन 2 टीमों में हो सकता है टी20 विश्व कप का फाइनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप 2024 में भारत-वेस्टइंडीज के बीच फाइनल की ख्वाहिश जताते हुए महान क्रिकेटर ब्रायन लारा ने कहा है कि सूर्यकुमार यादव को भारत के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। लारा ने यह भी कहा कि विश्व कप में भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल होने से 2007 में हुई गलती की भरपाई हो जाएगी जब वेस्टइंडीज में हुए वनडे विश्व कप में भारत के जल्दी बाहर होने से मेजबान को काफी खामियाजा भुगतना पड़ा।

भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को टीम में रखा है जबकि शुभमन गिल और रिंकू सिंह जैसे युवा रिजर्व में हैं। सूर्यकुमार मुख्य टीम में है। लारा ने कहा कि मेरी सलाह यह होगी कि सूर्यकुमार यादव को तीसरे नंबर पर उतारा जाए। वह टी20 क्रिकेट के महानतम बल्लेबाजों में से है। अगर आप सर विव जैसे खिलाड़ियों से बात करें तो वह आपको बताएंगे कि वह कैसे बल्लेबाजी को बेताब रहते थे। उन्होंने कहा कि मुझे सूर्यकुमार के साथ भी यही लगता है। उसे जल्दी से उतारना जरूरी है और अगर वह 10-15 ओवर खेल जाता है तो कमाल कर सकता है।

लारा ने कहा कि अगर आप उसको जल्दी उतारते हैं तो वह आपको जीत की स्थिति में पहुंचा देगा और बाद में बल्लेबाजी करने पर जीत दिला देगा। सूर्यकुमार आम तौर पर चौथे और कोहली तीसरे नंबर पर उतरते हैं। आईपीएल में कमेंट्री कर रहे लारा ने कहा कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल हो सकता है जिससे 2007 विश्व कप में हुई त्रासदी की भरपाई हो जाएगी जब भारतीय टीम पहले दौर में बाहर हो गई थी।

लारा ने कहा कि इंग्लैंड टीम को वेस्टइंडीज बहुत पसंद है। इंग्लैंड भी अंतिम 4 में होगा और चौथे स्थान पर डार्कहॉर्स के रूप में अफगानिस्तान पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल से अतीत में हुई गलती की भरपाई हो जाएगी। भारत 2007 में दूसरे दौर में नहीं पहुंच सका था और इसका खामियाजा हमें भुगतना पड़ा। हम नहीं चाहते कि ऐसा फिर हो इसलिए भारत और वेस्टइंडीज के बीच फाइनल होना चाहिए जिसमें बेहतर टीम जीते।

भारत ने युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के रूप में चार स्पिनरों को चुना है जिनमें से 2 हरफनमौला हैं। लारा ने कहा कि चार स्पिनरों के होने पर मैं ज्यादा नहीं बोलना चाहूंगा। लेकिन मुझे नहीं लगता कि चारों स्पिनर खेलेंगे। मुझे खुशी है कि चहल टीम में है। वह आईपीएल स्टार ही नहीं है बल्कि काफी दिमाग लगाकर गेंदबाजी करता है। कुलदीप भी। ये आपको विकेट दिलाएंगे और रनगति पर अंकुश भी लगाएंगे। कोहली के स्ट्राइक रेट को लेकर हो रही चर्चा के बीच लारा ने कहा कि आपको अंतिम एकादश में विराट जैसा एक खिलाड़ी चाहिए ही।

चीन के अस्पताल में चाकू से हमला, 2 की मौत, 21 घायल

युन्नान । चीन के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत युन्नान के अस्पताल में चाकू से किए गए हमले में करीब दो लोगों की मौत हुई और 21 अन्य घायल हो गए। मीडिया के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, हमला जेनक्सिओनग काउंटी के स्थानीय अस्पताल में हुआ। घटनास्थल के कई वीडियो सामने आए हैं, इन वीडियों में पुलिस वेलनेस सेंटर में एक संदिग्ध को पकड़ती हुई दिख रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पकड़ा गया संदिग्ध वास्तव में हमलावर है या नहीं।

पाक फौजी अफसरों पर बच्चों के यौन शोषण का आरोप, 100 बच्चों के 600 वीडियो सामने आए ; सेना ने आरोप खारिज किए

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी सेना के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल का खुलासा हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा के कबाइली इलाकों में तैनात कर्नल से मेजर रैंक तक के कुछ अफसरों के बच्चों से यौन शोषण के 600 से ज्यादा वीडियो सामने आए हैं। बच्चों की उम्र 14 साल से कम बताई गई है। लगभग सौ से ज्यादा बच्चों का पांच साल से यौन शोषण किया जा रहा था। कुछ अफसरों को पाराचिनार कैंट से पेशावर कमांड हेडक्वार्टर बुला लिया गया है। कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल हसन अजहर हयात ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में आदेश देते हुए किसी भी अफसर के यौन शोषण में शामिल होने से इनकार किया है। सेना का दावा है कि तीन साल पहले भी अफसरों पर 13 साल के लडक़े के यौन शोषण के आरोप लगे थे जो झूठे पाए गए थे। इस बीच, एफआईआर के बाद पुलिस ने यौन शोषण केस में एक स्थानीय दुकानदार को गिरफ्तार किया है।

गरीब बच्चों की सप्लाई

इलाके का एक दुकानदार ताहिर कबादी सेना का करीबी था। वही गरीब बच्चों की सप्लाई करता था। बताया जाता है कि वह बच्चों को लालच देकर अफसरों के पास भेजता था। उसने ही बच्चों के यौन शोषण के वीडियो भी बनाए। इससे वह बच्चों के माता-पिता से पैसे भी ऐंठता था। साथ ही वीडियो के जरिए वह बच्चों को ब्लैकमेल करके बार-बार अफसरों के पास भेजता था। पुलिस ने उसके लैपटॉप से ये वीडियो बरामद किए हैं।

पहले भी आरोप लगे थे

खुर्रम के स्थानीय लोगों का आरोप है कि सेना के कुछ अफसरों पर पहले भी बच्चों के यौन शोषण के आरोप लगे थे, लेकिन पाक सेना के मेजर और कैप्टन रैंक के अफसरों ने पुलिस वालों पर दबाव डालकर आरोपियों को छुड़ा लिया था। पाकिस्तान में 2015 में बच्चों के यौन शोषण के वीडियो वायरल करने का बड़ा रैकेट सामने आया था। इसमें करीब 400 वीडियो थे। इन वीडियो को 50-50 रुपए में बेचा गया था। हालांकि, इस मामले में फौज के अफसर शामिल नहीं थे।

भारत से पंगा मालदीव को पड़ा मंहगा... पर्यटकों की संख्या में 40 फीसदी गिरावट , मालदीव के पर्यटन मंत्री भारतीयों से आने की कर रहे अपील

माले । भारत से तनाव का असर मालदीव के टूरिज्म पर तगड़ा पड़ा है। चार महीने में मालदीव पहुंचने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में 40 फीसदी की गिरावट आई है। इस बीच मालदीव ने भारतीय पर्यटकों से वहां आने की अपील की है। मालदीव के पर्यटन मंत्री इब्राहिम फैसल ने भारत और मालदीव के ऐतिहासिक संबंधों पर जोर देकर कहा कि हमारी सरकार भारत के साथ मिलकर काम करना चाहती है। हमारे लोग और हमारी सरकार मालदीव आने वाले भारतीयों का गर्मजोशी से स्वागत करने को तैयार हैं। मैं पर्यटन मंत्री के रूप में भारतीयों से कहना चाहता हूं कि आप मालदीव आएं। हमारी अर्थव्यवस्था दरअसल पर्यटन पर ही निर्भर है। बता दें कि मालदीव के पर्यटन मंत्री की ये अपील उस वक्त आई है, जब भारत के साथ उसके रिश्तों में तनाव है। पिछले साल दिसंबर में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर लक्षद्वीप की तस्वीरें साझा कर यहां आने की अपील की थी, तब मालदीव सरकार के तीन मंत्रियों ने पीएम मोदी और लक्षद्वीप को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद भारतीयों ने मालदीव का बायकॉट कर दिया था।

क्या यूक्रेन के मामले में पश्चिमी देशों से सीधे भिड़ जाएगा रुस , पुतिन की हालिया बयान से लग रहा

मास्को । रूस ने कहा कि यूक्रेन के साथ युद्ध में करीब से शामिल होने की संभावनाओं को लेकर पश्चिमी देशों की टिप्पणियों से बढ़े तनाव के बीच वह युद्धक्षेत्र में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल को लेकर योजना बना रहा है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पांचवे कार्यालय की शुरुआत से पहले यह घोषणा की गई। यह घोषणा क्रेमलिन द्वारा यूक्रेन में युद्ध के बारे में वरिष्ठ पश्चिमी अधिकारियों की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के कुछ दिनों बाद आई है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह अभ्यास रूसी संघ के संबंध में कुछ पश्चिमी अधिकारियों के उत्तेजक बयानों और धमकियों के जवाब में है। 24 फरवरी, 2022 को यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद से रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कीव को सैन्य समर्थन बढ़ाने से हतोत्साहित करने के लिए पश्चिमी देशों को मॉस्को की परमाणु ताकत के बारे में बार-बार याद दिलाया है। पुतिन ने रूस की रक्षा के लिए आवश्यक सभी साधनों का उपयोग करने की चेतावनी के जरिए मास्को के परमाणु शस्त्रागार की याद समय समय पर दिलाई है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा था कि वह यूक्रेन में सेना भेजने से इंकार नहीं करते हैं और ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड कैमरन ने कहा कि कीव की सेनाएं रूस के अंदर लक्ष्यों पर हमला करने के लिए ब्रिटिश लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करने में सक्षम होंगी। क्रेमलिन ने उन टिप्पणियों को खतरनाक बताया, जिससे रूस और नाटो के बीच तनाव बढ़ गया। युद्ध ने पहले ही मॉस्को और पश्चिम के बीच संबंधों पर काफी दबाव डाल दिया है।

इजराइल ने राफा में रातभर चलाया ऑपरेशन....मुस्लिम देश ने दी चेतावनी

राफा । इजरायल और हमास आतंकियों के बीच सीजफायर की वार्ता असफल होती दिख रही है। रिपोर्ट है कि इजराइल रक्षा बलों ने राफा सीमा पार के गाजा हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है। आईडीएफ ने क्षेत्र में रात भर ऑपरेशन चलाया है। रिपोर्ट मिली हैं कि इजरायली सैनिक गाजा में लगभग 3.5 किमी तक घुस गए हैं। इजरायल ने राफा सीमा के पास बड़ी संख्या में टैंक खड़े कर दिए हैं। इजरायल के राफा में ऑपरेशन से पहले उसके मुस्लिम देश जॉर्डन ने चेतावनी दी है। जॉर्डन ने कहा कि राफा में एक और इजरायली नरसंहार रोकने में अंतरराष्ट्रीय समुदाय विफल रहा है। जॉर्डन ने चेतावनी दी कि दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में एक और इजरायली नरसंहार को रोकने में विफलता अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर एक अमिट दाग होगी। बता दें कि इजरायली सेना ने राफा के पूर्वी इलाकों में फिलिस्तीनियों के लिए तत्काल निकासी आदेश जारी कर अल-मवासी शहर में जाने का आह्वान किया। इजरायल का कहना है कि वह जल्द ही राफा में अपना ऑपरेशन शुरू करेगा। इसके लिए उसने सीमा पर बड़ी संख्या में टैंक खड़े कर दिए हैं। इजराइली मीडिया के अनुसार, राफा शहर में लगभग 100000 फिलिस्तीनी नागरिकों के रहने का अनुमान है। एक और बड़ी त्रासदी की आशंका जताकर जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी ने कहा, फिलिस्तीनियों का एक और नरसंहार होने वाला है। इजरायल फ़िलिस्तीनियों को राफा छोड़ने की चेतावनी दे रहा है, क्योंकि उन पर हमले का खतरा है।

इजरायल में एंटीडोम मिसाइल सिस्टम गाजा से दागे हमास के रॉकेट को गिराती हुई।

पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बने, 33 शब्दों में शपथ ली, कहा- दुश्मनों से भी रिश्ते सुधारेंगे ; सेना ने 21 तोपों की सलामी दी

मॉस्को (ईएमएस)। व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति बन गए हैं। मॉस्को के ग्रैंड क्रेमलिन पैलेस में पुतिन ने 33 शब्दों में शपथ ली। यह वही जगह है, जहां रूस के जार परिवार के 3 राजाओं (एलेक्जेंडर 2, एलेक्जेंडर 3 और निकोलस 2) की ताजपोशी हुई थी। शपथ के बाद पुतिन ने कहा कि हम और मजबूत होंगे। हम उन देशों के साथ अपने रिश्ते मजबूत करेंगे जो हमें दुश्मन समझते हैं। मैं जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए हरसंभव कोशिश करूंगा। रूस में 15-17 मार्च को हुए चुनाव में पुतिन को 88 प्रतिशत वोट

मिले थे। उनके विरोधी निकोले खारितोनोव को सिर्फ 4 प्रतिशत वोट मिले थे। रूस में हुए पुतिन के शपथ ग्रहण समारोह का अमेरिका, ब्रिटेन और कई यूरोपीय देशों ने बहिष्कार किया है। पुतिन ने इससे पहले साल 2000 में पहली बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। इसके बाद से 2004, 2012 और 2018 में भी वे राष्ट्रपति बन चुके हैं।

रूस की सेना अब परमाणु हथियारों के साथ युद्धाभ्यास करेगी

नाटो सैनिकों की यूक्रेन में तैनाती की आशंकाओं के बीच पुतिन का फैसला

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी सेना को परमाणु हथियारों की ड्रिल करने का आदेश दिया है। इस युद्धाभ्यास में नेवी और यूक्रेनी सीमा के पास तैनात सैनिकों को भी शामिल करने को कहा गया है। अलजजीरा के मुताबिक, पुतिन ने यह फैसला तब लिया जब नाटो और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन की मदद के लिए सेना भेजने की बात कही थी।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि युद्धाभ्यास के दौरान टैक्टिकल न्यूक्लियर वेपेन की तैनाती पर फोकस किया जाएगा। हालांकि, यह ड्रिल कब होगी, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। दरअसल, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले हफ्ते कहा था कि अगर यूक्रेन ने मदद मांगी तो वे अपने सैनिकों को वहां भेज सकते हैं। इसके ठीक एक दिन बाद ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरून ने कहा था कि यूक्रेन अगर चाहे तो वह रूस पर हमला करने के लिए ब्रिटिश हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है। रूस ने दोनों बयानों का विरोध किया था।

अमेरिका ने यूक्रेन में सैनिक भेजे तो जंग बढ़ेगी

पुतिन ने करीब 2 महीने पहले एक इंटरव्यू के दौरान अमेरिका को परमाणु हमले की चेतावनी दी थी। पुतिन ने कहा था कि अगर अमेरिका अपने सैनिकों को यूक्रेन में भेजेगा तो इससे जंग और बढ़ सकती है। दरअसल, रूसी न्यूज एजेंसी ने पुतिन ने सवाल पूछा था कि क्या रूस परमाणु जंग के लिए तैयार है। इस पर रूसी राष्ट्रपति ने कहा था कि हम फिलहाल परमाणु युद्ध की तरफ नहीं बढ़ रहे हैं। हमें अब तक इसकी जरूरत नहीं महसूस हुई। लेकिन अगर मिलिट्री या तकनीक के आधार पर कहा जाए तो हम इसके लिए तैयार हैं। अमेरिका इस बात को समझता है कि अगर उसने रूसी या यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों को भेजा तो रूस इस कदम को हस्तक्षेप के रूप में लेगा। इसके अलावा रूस के अलग-अलग मंत्री और अधिकारी कई बार यूक्रेन को परमाणु हमले की धमकी भी दे चुके हैं।

रूस ने बेलारूस में तैनात किए परमाणु हथियार

यूक्रेन के साथ 3 साल से जारी जंग के बीच पिछले साल 25 मार्च को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने बेलारूस में रूस के परमाणु हथियार तैनात करने की घोषणा की थी। पुतिन ने कहा था कि बेलारूस के राष्ट्रपति लुकाशेंको काफी समय से परमाणु हथियारों को उनके देश में तैनात करने की मांग कर रहे हैं। बेलारूस के साथ रूस के करीबी सैन्य संबंध हैं। पुतिन ने कहा था कि रूसी परमाणु हथियारों की बेलारूस में तैनाती का कारण ब्रिटेन का यूक्रेन को आर्मर पियर्सिंग शेल मुहैया कराना बताया था, जिसमें यूरेनियम होता है। पुतिन का कहना था कि परमाणु हथियारों को बेलारूस में रख कर रूस वही कर रहा है जो अमेरिका ने कई दशकों से बेल्जियम, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स और तुर्की में परमाणु हथियारों को रख कर किया।

जयशंकर के बयान पर कनाडाई मंत्री मिलर का पलटवार

टोरंटो (एजेंसी)। कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने भारत द्वारा नामित आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से कथित तौर पर जुड़े तीन भारतीयों की हालिया गिरफ्तारी के संबंध में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की टिप्पणी का विरोध किया। कनाडाई मंत्री मिलर ने जयशंकर की उस टिप्पणी पर कहा कि कनाडा संगठित अपराध से जुड़े लोगों को देश में प्रवास की अनुमति देता है। रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा के आव्रजन मंत्री मिलर ने एक साक्षात्कार में जयशंकर की टिप्पणियों पर अपनी अस्वीकृति व्यक्त करते हुए कहा कि यह सटीक नहीं है।

जयशंकर ने नई दिल्ली की चेतावनियों के बावजूद संगठित अपराध से जुड़े भारत के व्यक्तियों का स्वागत करने के लिए कनाडा की आलोचना की। जयशंकर ने दावा किया कि कनाडा में पाकिस्तान समर्थक झुकाव वाले कुछ व्यक्तियों ने राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लॉबी बनाई है। जब आरोपी की वीज़ा स्थिति के बारे में पूछा गया, तब मंत्री मिलर ने चल रही पुलिस जांच के कारण विशिष्ट जानकारी देने से परहेज करते हुए कहा कि ऐसी पूछताछ रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) को निर्देशित की जानी चाहिए। जयशंकर ने मुक्त भाषण की आड़ में अतिवाद, अलगाववाद और हिंसा के समर्थकों को अनुमति देने के लिए ट्रूडो सरकार की आलोचना की। जयशंकर ने कहा कि खालिस्तान समर्थक लोगों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का उपयोग कर रहा है, एक लॉबी बना रहा है और जस्टिन ट्रूडो की अल्पमत सरकार के लिए वोट बैंक बन गया है।

अमेरिका और ईरान के बीच फंसा पाकिस्तान... गले की फांस बनी गैस पाइपलाइन

कराची (एजेंसी)। ईरान और पाकिस्तान के बीच दशकों पहले प्रस्तावित गैस पाइपलाइन अभी भी अधर में लटकी हुई है। हाल ही में अमेरिका ने पाकिस्तान को चेतावनी देकर कहा था कि अगर ईरान के साथ कोई भी डील होती है, तब कंगाल देश को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका की इस धमकी के बाद ईरान का भी बयान सामने आया है। ईरान ने कहा है कि पाकिस्तान और ईरान प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव की वजह से इसमें देरी हो रही है।

ईरान के महावाणिज्य दूत हसन नौरानी ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार प्रोजेक्ट को पूरा करने में तत्परता दिखा रही है। उन्होंने कहा, ईरान और पाकिस्तान प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहते हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव देरी की वजह बन रहा है। नौरान ने कहा कि ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन प्रोजेक्ट बेहद अहम प्रोजेक्ट है। ईरान और पाकिस्तान साल 2010 में ईरान के गैस फील्ड से पाकिस्तान के बलूचिस्तान और सिंध प्रांत तक गैस पाइपलाइन बिछाने पर सहमत हुए थे। समझौते में तय हुआ था कि 1,900 किलोमीटर की पाइपलाइन की मदद से ईरान प्रतिदिन 1 अरब क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस 25 सालों तक पाकिस्तान को देगा। ईरान ने अपने क्षेत्र में पाइपलाइन बिछा ली है। उसका कहना है कि अपने क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाने में करीब 2 अरब डॉलर का खर्च आया है।

शांति प्रस्ताव पर राजी होने के बाद भी इजराइल ने कर दिया हमला?

गाजा (एजेंसी)। इजराइल हमास को खत्म करने के लिए कुछ भी कर रहा है। शांति प्रस्ताव स्वीकारने के बाद भी हमला कर देता है। बीते सोमवार को भी संघर्ष विराम का प्रस्ताव मान लिया था इसके बाद भी राफा पर हमला बोल दिया। हमास की ओर से कहा गया कि अब उसको इजराइल के जवाब का इंतजार है। हमास के ऐलान के बाद सबको लग रहा था कि अब गाजा में खून-खराबा बंद हो जाएगा लेकिन हुआ इसका उल्टा। शांति की जगह इजराइल ने राफा में हमले कर डाले।

दरअसल, हमास ने प्रस्ताव तो मान लिया है लेकिन इजराइल इससे सहमत नहीं है। इजराइल की ओर से कहा गया है कि हमास ने जिस प्रस्ताव पर रजामंदी जताई है, वे 'नरम' प्रस्ताव है यानी हमास का मकसद अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ये दिखाना कि उसने संघर्ष विराम प्रस्ताव को मान लिया है।

संघर्ष विराम को लेकर इजराइल द्वारा रखे गए प्रस्ताव में बंधकों रिहाई के साथ फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ना, गाजा में मानवीय मदद पहुंचाना और अपने सैनिको को सऊथ गाजा और सेंट्रल गाजा से पीछे हटाना शामिल था। इसमे पूर्ण संघर्ष विराम और इजराइल सैनिकों के पूरी तरह गाजा से वापसी न शामिल होने पर कई फिलिस्तीन समर्थकों ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताई थी। सूत्रों के हवाले से बताया कि मध्यस्थता ने हमास के द्वारा स्वाकार किए गए प्रस्ताव की बाधाओं पर फिर चर्चा शुरू की है, जिनपर इजराइल राजी नहीं है। कतर के विदेश मंत्रालय ने एलान किया कि वे एक डेलिगेशन को मिस्र की राजधानी कायरो भेज रहे हैं। इजराइल की ओर से भी अधिकारी कायरो जा रहे हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने राफा में अपने हमले जारी रखने के संकेत दिए हैं।

इजराइल ने राफा के रास्ते में रहने वाली करीब एक लाख आबादी को रास्ता खाली करने के लिए कहा है। खबरों के मुताबिक सोमवार रात राफा पर गनफायर और हवाई स्ट्राइक भी की गई हैं। राफा गाजा की सबसे घनी आबादी वाला क्षेत्र है। राफा में सोमवार को हुई स्ट्राइक में करीब 5 लोगों के मरने की खबर है। हमास को उसके 'आखरी ठिकाने' में हराने के लिए इजराइल ने राफा पर इंवेजन जारी रखने की प्रतिबद्धता दिखाई है। जिसपर अमेरिका ने इजराइल को चेतावनी दी है।

गाजा के राफा इलाके में टैंक लेकर घुसे इजराइली सैनिक

-मिस्र से सटे बॉर्डर पर कब्जा किया, 1 लाख फिलिस्तीनियों को निकाला जाएगा

तेलअवीव (एजेंसी)। हमास के सीजफायर समझौते स्वीकार करने के बाद मंगलवार को इजराइल की सेना टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्र से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। इजराइल ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 20 हमास लड़ाकों को मार गिराया। सैनिकों को इलाके में हमास की 3 सुरंगें मिली हैं।

हमास के साथ जंग में राफा इजराइली सेना के ऑपरेशन का आखिरी पड़ाव है। इजराइल ने इंटेलिजेंस के हवाले से दावा किया था कि हमास सीमा का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए करता है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने एक लाख फिलिस्तीनियों को इलाके से निकालने की बात कही है।

हमास ने सीजफायर कबूल किया लेकिन यह इजराइल को नामंजूर

इजराइल से जंग के 7 महीने बाद हमास ने मिस्र और कतर के सीजफायर के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। हमास ने सोमवार (6 मई) को इसे लेकर आधिकारिक बयान जारी किया। हमास के लीडर इस्माइल हानिए ने कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल-थानी और मिस्र की खुफिया एजेंसी से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों से कहा कि वे इजराइल के साथ युद्धविराम के लिए उनकी शर्तों को स्वीकार कर रहे हैं। हमास ने कहा कि अब फैसला इजराइल के हाथ में है कि वह सीजफायर के लिए तैयार होता है या नहीं। हालांकि, इजराइल ने कहा है कि हमास जिन शर्तों पर तैयार हुआ उसे वो मंजूर नहीं है। इसके बाद इजराइल ने जंग के आखिरी फेज की शुरुआत करते हुए दक्षिणी गाजा के राफा पर हमले किए।

अमेरिका ने गोला-बारूद की सप्लाई रोकी

राफा में सैन्य अभियान की घोषणा करके नेतन्याहू ने एक बार फिर अमेरिका को नाराज कर दिया है। यही कारण है कि 7 अक्टूबर के हमले के बाद पहली बार अमेरिका ने इजराइल भेजे जाने वाले गोला- बारूद की खेप रोक दी है। इस खेप में मिसाइल समेत जंग से जुड़े कई सामान थे। इससे पहले अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने नेतन्याहू से कहा था कि राफा में सैन्य अभियान से अमेरिका-इजराइल के संबंधों पर गलत असर पड़ेगा।

समझौता करवाने में जुटे हैं मिस्र, कतर और अमेरिका

मिस्र, कतर और अमेरिका साथ मिलकर हमास और इजराइल के बीच युद्धविराम करवाने की कोशिश कर रहे हैं। तीनों देशों ने शुक्रवार 26 अप्रैल को प्रपोजल पर बातचीत करने के लिए एक हाई-लेवल डेलिगेशन इजराइल भेजा था। इससे पहले कतर और मिस्र की मध्यस्थता के बाद नवंबर में इजराइल-हमास के बीच पहली बार 4 दिन के लिए युद्धविराम हुआ था। इस दौरान हमास ने 112 बंधकों को रिहा किया था। वहीं इजराइल ने भी जेल में बंद 240 से ज्यादा फिलिस्तिनियों को छोड़ा था।

इजराइल ने हमास को दिया था आखिरी मौका

6 महीने की जंग में इजराइल ने राफा छोडक़र पूरे गाजा पर कब्जा कर लिया है। राफा पर हमले से पहले इजराइल ने हमास को समझौते का आखिरी मौका दिया था। इजराइल ने कहा था कि अगर हमास समझौता स्वीकार नहीं करता है, इजराइल राफा पर बड़ा हमला करेगा। इसी कारण मिस्र का डेलिगेशन दोनों पक्षों में समझौते करवाने को कोशिश कर रहा है। पिछले दिनों रिपोर्ट आई थी कि मिस्र बंधकों को छोडऩे के लिए हमास पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है। दरअसल राफा मिस्र की बॉर्डर के पास है। इसलिए उसे डर है कि अगर इजराइली सेना राफा पर हमला करेगी, तो बड़ी संख्या में शरणार्थी मिस्र में घुसने की कोशिश करेंगे। इसी से बचने के लिए इजिप्ट का एक डेलिगेशन इजराइल और हमास के बीच शांति समझौते करवाने की कोशिश में जुटा है। इस समय 10 लाख से ज्यादा फिलिस्तीनियों ने राफा शहर में पनाह ली हुई है।

टॉक्सिक में करीना की जगह लेंगी नयनतारा!

सफल केजीएफ फ्रेंचाइजी में अपनी भूमिका के लिए प्रसिद्ध यश ने दो आगामी फिल्मों में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है। इनमें से एक गीतू मोहनदास द्वारा निर्देशित टॉक्सिक और दूसरी नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित रामायण है। टॉक्सिक का फिल्मांकन वर्तमान में प्रगति पर है। यश, नितेश तिवारी की रामायण के साथ इस फिल्म का सह-निर्माण भी कर रहे हैं। इसी बीच खबर आई कि करीना कपूर खान ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। वहीं, अब करीना के किरदार के लिए दमदार साउथ हसीना का नाम सामने आया है, जिसने फैंस के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। टॉक्सिक के लिए कास्टिंग के संबंध में रोमांचक घटनाक्रम सामने आए हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि गीतू मोहनदास की फिल्म में यश की बहन की भूमिका के लिए प्रसिद्ध साउथ अभिनेत्री नयनतारा से बातचीत चल रही है। जानकारी हो कि नयनतारा को लेडी सुपरस्टार भी कहा जाता है। ऐसे में वो अगर इस फिल्म का हिस्सा बनेंगी तो निश्चित रूप से फैंस और भी ज्यादा उत्साहित होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गीतू मोहनदास और यश ने हाल के हफ्तों में नयनतारा के साथ कई चर्चाएं की हैं और बातचीत सकारात्मक रूप से आगे बढ़ रही है। नयनतारा ने इस भूमिका में गहरी रुचि दिखाई है, फिलहाल चर्चा साजो-सामान संबंधी व्यवस्थाओं पर केंद्रित है। एक मजबूत महिला के रूप में वर्णित चरित्र, नयनतारा के ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व के साथ अच्छी तरह मेल खाता है और वह कथित तौर पर गीतू मोहनदास के महिला पात्रों के चित्रण से प्रभावित हैं। गीतू मोहनदास और यश दोनों नयनतारा के टॉक्सिक के कलाकारों में शामिल होने की संभावना से उत्साहित हैं। विवरणों को अंतिम रूप देने के प्रयास चल रहे हैं और अगर सब कुछ सुचारू रूप से चला तो नयनतारा के अगले दो सप्ताह के भीतर आधिकारिक तौर पर बोर्ड पर आने की उम्मीद है। टॉक्सिक, 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली है, जिसमें यश के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं। यह सहयोग प्रशंसित निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ यश की पहली परियोजना है। वयस्कों के लिए एक परी कथा के नाम से मशहूर इस फिल्म ने अपनी घोषणा के बाद से ही काफी ध्यान आकर्षित किया है। मुख्य कलाकारों के अलावा, फिल्म महिला पात्रों के एक मजबूत समूह का वादा करती है, जिसके बारे में अधिक जानकारी की प्रशंसकों द्वारा उत्सुकता से प्रतीक्षा की जा रही है।

50 साल की उम्र पार कर चुकी हैं ये अभिनेत्रियां, खूबसूरती में नई हीरोइनों को भी देती हैं मात

बॉलीवुड अभिनेत्रियों की खूबसूरती के चर्चे विश्वभर में हैं। भारतीय अभिनेत्रियों ने मिस वर्ल्ड से लेकर मिस यूनिवर्स तक का खिताब जीतकर देश का मान बढ़ाया है। हिंदी सिनेमा की अभिनेत्रियों की अदा और खूबसूरती पर उनके प्रशंसक जान छिड़कते हैं। बॉलीवुड की कुछ ऐसी भी चुनिंदा अभिनेत्रियां हैं जिनके ऊपर उम्र का भी कोई खास असर नहीं है। उनकी खूबसूरती आज भी बरकरार है। यहां तक की सुंदरता में वह नई हीरोइनों को भी टक्कर देती हैं। आज हम ऐसी ही अभिनेत्रियों के बारे में बात करेंगे जिनकी उम्र तो 50 साल के पार हो गई है पर उन्हें देखकर आज भी उनके प्रशंसकों का दिल धड़क उठता है।

माधुरी

बॉलीवुड में 'धक-धक गर्ल' के नाम से मशहूर अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की खूबसूरती बेमिसाल है। उनके डांस के लाखों दिवाने हैं। अपने करियर की शुरुआत तो माधुरी ने 'अबोध' नाम की फिल्म से किया था, लेकिन उन्हें पहचान फिल्म तेजाब से मिली। फिल्म 'तेजाब' के आइटम सॉन्ग 'एक दो तीन' से उन्हें घर-घर पहचान मिल गई। उस दौर में हर किसी की जुबान पर माधुरी का गाना रहता था। 56 साल की अभिनेत्री इस उम्र में भी नौजवान हीरोइनों को खूबसूरती के मामले में पीछे छोड़ देती हैं। उनकी अदा, डांस और खूबसूरती के आज भी लाखों दिवाने हैं।

भाग्यश्री

भाग्यश्री ने बॉलीवुड में सलमान खान की फिल्म 'मैंने प्यार किया' से डेब्यू किया था। अभिनेत्री की खूबसूरती और मासूमियत के उनके फैंस कायल हैं। उन्होंने अपनी पहली फिल्म के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था। अभिनेत्री ने बॉलीवुड के अलावा कन्नड़, मराठी, तेलुगु और भोजपुरी फिल्मों में भी काम किया है। इस साल फरवरी में उन्होंने अपना 55वां जन्मदिन मनाया। 55 साल की उम्र में भी अभिनेत्री बेहद खूबसूरत दिखती हैं।

तब्बू

तब्बू बॉलीवुड की सफल अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने कई हिट फिल्में बॉलीवुड को दी हैं। उनकी अदाकारी की सराहना भी खूब होती है। तब्बू ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत साल 1985 में आई फिल्म 'हम नौजवान' से की थी। आखिरी बार तब्बू हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' में अभिनय करते हुए नजर आई हैं। 54 साल की उम्र में भी अभिनेत्री बेहद खूबसूरत और आकर्षक लगती हैं। उनकी खूबसूरती के चर्चे बी-टाउन से लेकर प्रशंसकों तक है।

रेखा

बॉलीवुड की सदाबहार अदाकारा रेखा अपने अभिनय के साथ-साथ अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। रेखा पर उनकी बढ़ती उम्र का कोई असर नही हैं। उनके प्रशंसक आज भी उनकी सुंदरता की सराहना करने से पीछे नहीं हटते। 69 साल की उम्र में भी वह बेहद खूबसूरत लगती हैं।

संगीता बिजलानी

संगीता बिजलानी ने 16 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। अभिनेत्री ने 1980 में मिस इंडिया यूनिवर्स का खिताब भी जीता। बॉलीवुड में उन्होंने आदित्य पंचोली की फिल्म 'कातिल' से डेब्यू किया। संगीता की खूबसूरती के भी उनके प्रशंसक कायल हैं। 63 साल की अभिनेत्री आज भी देखने में बेहद खूबसूरत हैं।

वरुण-जान्हवी की फिल्म में अहम भूमिका निभाएंगे अक्षय ओबेरॉय

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय कथित तौर पर आगामी रोमांटिक कॉमेडी सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के लिए बोर्ड पर आ गए हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में डायनामिक जोड़ी वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। बीते दिन इस फिल्म से रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा के जुड़ने की खबर सामने आई थी। फिल्म पर आ रहा लगातार नया अपडेट फैंस के उत्साह को बढ़ा रहा है। फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में अक्षय ओबेरॉय के शामिल होने की खबर ऑनलाइन जारी की। प्रोडक्शन से जुड़े करीबी सूत्रों के मुताबिक, ओबेरॉय फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और वरुण धवन और जान्हवी कपूर के साथ सितारों से भरे समूह में शामिल होंगे। यह जानकारी कलाकारों में सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ को शामिल करने की हालिया रिपोर्टों के बाद सामने आई है। फिल्म के विषय के बारे में बताते हुए, रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि यह एक सर्वोत्कृष्ट पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है, जिसका मूल रोमांस है, जो खेतान की पिछली फिल्मों में देखी गई सिग्नेचर शैली की प्रतिध्वनि है। अक्षय ओबेरॉय को पीकू, गुड़गांव और फितूर जैसी फिल्मों में उनके अभिनय के लिए जाना जाता है।

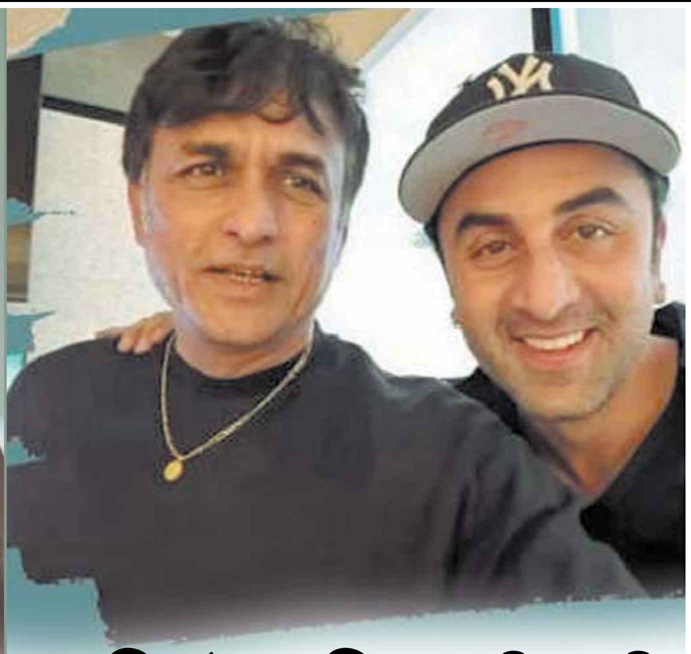

नितेश तिवारी की रामायण में हुई इस कलाकार की एंट्री

निर्देशक नितेश तिवारी की बहुचर्चित फिल्म 'रामायण' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म में भगवान राम और माता सीता के किरदार में रणबीर कपूर और साई पल्लवी नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। हालांकि, ये किसी को नहीं पता है कि फिल्म की शूटिंग कहां पर हो रही है। सोशल मीडिया पर राम सीता के रूप में रणबीर और साई की कई तस्वीरें भी सामने आ चुकी हैं। हाल ही में फिल्म से जुड़े एक और कलाकार ने रणबीर के साथ अपनी तस्वीर साझा कर इस बात की पुष्टि की है कि वह 'रामायण' का हिस्सा होंगे। रामायण में रणबीर के को-एक्टर ने अपना उत्साह साझा करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की है। अजिंक्य देव भी नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' का हिस्सा होंगे। उन्होंने एक पोस्ट साझा कर खुद इस बात की पुष्टि की है। हालांकि अभिनेता ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। अजिंक्य ने रणबीर के साथ तस्वीर साझा कर लिखा, तो अब इस फोटो पर स्पष्टीकरण के लिए... आरके के साथ फिल्म रामायण में एक शानदार भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं। यह डेढ़ साल बेहद ही अद्भुत रहा है, क्योंकि मैंने पहली बार मां नीतू सिंह कपूर के साथ स्क्रीन साझा की थी। इसके बाद एक वेब सीरीज के लिए करिश्मा कपूर के साथ हूं और अब रणबीर कपूर के साथ। 'रामायण' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म से जुड़ी हर अपडेट जानने के लिए दर्शक उत्सुक हैं। वहीं, फिल्म से कई कलाकारों की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं।

यूनिसेफ इंडिया की नेशनल एंबेसडर बनीं करीना कपूर

करीना कपूर खान को यूनिसेफ इंडिया का नेशनल एंबेसडर नियुक्त किया गया है। वे 2014 से ही इस ऑर्गेनाइजेशन के साथ बतौर सेलिब्रिटी एडवोकेट जुड़ी हुई थीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक लंबा नोट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है।

करीना ने सोशल मीडिया के जरिए कहा कि आज का दिन उनके लिए बहुत भावुक कर देने वाला है। करीना ने लिखा- मैं 10 साल से इस ऑर्गेनाइजेशन के साथ जुड़ी हूं। इन 10 सालों में मैंने बच्चों के अधिकारों के लिए काम किया है। मैं आगे भी पूरी तन्मयता के साथ इस संगठन से जुड़ी रहूंगी।

बच्चो के अधिकार के आवाज उठाती रहूंगी

करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर कर आगे लिखा- हमने अभी तक जो काम किया है, उस पर मुझे बहुत गर्व है। मैं बच्चों के अधिकारों के लिए अभी भी प्रतिबद्ध हूं और आगे भी इनके लिए काम करती रहूंगी। इसके अलावा अपनी पूरी टीम को भी विशेष धन्यवाद देना चाहती हूं। आप लोग महिलाओं और बच्चों के अधिकारों के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर मैं यूनिसेफ इंडिया को बधाई देना चाहती हूं। पिछले 75 साल से यह ऑर्गेनाइजेशन बच्चों के हित के लिए काम कर रहा है। मैं उनकी आवाज बनने के लिए दृढ़ निश्चय करती हूं।

इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दी जाने वाली फीस से खुश नहीं लारा दत्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री लारा दत्ता इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार किरदार निभाए हैं। हालांकि, लारा दत्ता इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को दिए जाने वाली फीस से कुछ खास खुश नहीं हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी सिनेमा में वेतन असमानता को लेकर खुलकर बात की है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

वेतन असमानता पर की बात

हाल ही में, एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि महिलाएं इंडस्ट्री में अपने कई पुरुष कलाकारों की तुलना में कड़ी मेहनत करती हैं फिर भी ज्यादातर महिलाएं भाग्यशाली हैं कि उन्हें पुरुष अभिनेताओं को मिलने वाले वेतन का दसवां हिस्सा मिलता है। लारा दत्ता ने बताया कि वे प्रक्रिया में हैं और बहुत सारी महिलाएं हैं, जो इस धारणा में बदलाव करने की कोशिश कर रही हैं उन्होंने कहा कि पहले, यह सोचा जाता था कि जब आप 30 वर्ष की उम्र तक पहुंचते हैं, तो आपके लिए घर बसाने का समय आ जाता है क्योंकि आपका करियर खत्म हो जाता है।

रामायण को लेकर चर्चा में हैं

इस बीच, लारा दत्ता नितेश तिवारी की रामायण में कैकेयी की भूमिका को लेकर भी काफी चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री ने इन अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने ऐसी कई रिपोर्ट्स सुनी हैं, लेकिन वह अटकलों का आनंद ले रही हैं, उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, कौन रामायण का हिस्सा नहीं बनना चाहेगा?

सीरीज को लेकर मिल रही हैं तारीफें

अभिनेत्री के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में, वे 'रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड' में नजर आई हैं। यह सीरीज 25 अप्रैल को स्ट्रीम हुई है। लारा दत्ता के साथ इसमें जिमी शेरगिल, आशुतोष राणा और आशीष विद्यार्थी समेत कई अन्य कलाकार हैं। इसके अलावा उनके पास वेलकम टू द जंगल और रामायण जैसी फिल्में हैं।

आलिया भट्ट स्टारर जिगरा में नजर आएंगे जेसन शाह

हाल ही में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की ओटीटी डेब्यू हीरामंडी - द डायमंड बाजार में अपने काम से दर्शकों के दिलों में जगह बनाने वाले एक्टर जेसन शाह अपकमिंग फिल्म जिगरा में बॉलीवुड स्टार आलिया भट्ट और एक्टर वेदांग रैना के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। यह फिल्म भाई-बहन के प्यारे रिश्ते पर आधारित है। फिल्म के लिए जेसन को फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना होगा। दरअसल, हीरामंडी में उन्होंने अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए वजन बढ़ाया था, लेकिन इस फिल्म के लिए उन्हें अपना वजन घटाने की जरूरत पड़ेगी। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, हां, जेसन को फिल्म के लिए चुना गया है और एक्टर ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है और डबिंग स्टेज पर हैं। जेसन द्वारा निभाई गई भूमिका हीरामंडी में उनके लुक और व्यक्तित्व से बिल्कुल अलग है। दर्शक उन्हें जिस लुक में देखने के आदी हैं, वह उससे बिल्कुल हटकर नजर आएंगे। वह जिस किरदार को निभा रहे हैं, उसके लिए उन्हें अपनी फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजरना होगा। ये ट्रांसफॉर्मेशन हर किसी के लिए एक सरप्राइज पैकेज होने वाला है। जिगरा का निर्देशन वासन बाला ने किया है।

दमण में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पर्यवेक्षकों ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का किया दौरा

■ मतदान केंद्रों में सुचारु और निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करने हेतु किया दौरा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 मई। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में आज तीसरे चरण में मतदान किया गया। इसी क्रम में आज सामान्य पर्यवेक्षक वासीरेड्डी विजया ज्योत्सना ने आज विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया, ताकि मॉक पोल गतिविधियों का निरीक्षण किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने पुलिस पर्यवेक्षक संगीत के. के साथ उन संवेदनशील मतदान केंद्रों का भी दौरा किया जहां सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध किए गए थे। जिसमें मतदान केंद्र क्रमांक 9, 10, 16, 31, 32, 65 और 35 शामिल हैं। इस दौरे का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि मतदान प्रक्रिया सुचारू और निष्पक्ष हो और सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उचित रूप से की गई हैं। उन्होंने मतदान केंद्रों पर मॉक पोल के संचालन की समीक्षा की जिससे यह पुष्टि हो सके कि ईवीएम और वीवीपैट ठीक तरह से काम कर रहे हैं। सामान्य पर्यवेक्षक और पुलिस पर्यवेक्षक ने संबंधित अधिकारियों से मुलाकात की और उनसे चुनावी प्रक्रिया के दौरान सभी संभावित मुद्दों के बारे में जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ निभाने का निर्देश दिया। पर्यवेक्षकों ने संवेदनशील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की और स्थानीय पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उनके कदमों के बारे में पूछा। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और कानून व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। यह दौरा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए किया गया था। यह आश्वासन दिया गया कि चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होगा। सामान्य और पुलिस पर्यवेक्षक ने प्रशासन एवं पुलिस की तरफ से उपलब्ध की गई सुविधाओं को सराहा। मतदान केंद्रों पर अपने दौरे के दौरान सामान्य पर्यवेक्षक और पुलिस पर्यवेक्षक ने मतदाताओं से भी बातचीत की और उन्हें चुनावी प्रक्रिया में उनकी भूमिका के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करें और मतदान के दिन निर्भीकता से मतदान करें।

दमण और दीव में पिंक पोलिंग बूथों पर सिर्फ महिला कर्मचारियों ने सेवा देकर दिखाई स्त्रीशक्ति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण/दीव 07 मई। दमण एवं दीव जिले में मतदाताओं को लोकसभा चुनाव में उत्साहपूर्वक हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के मतदान केन्द्र बनाये गये थे। जिसमें मॉडल पोलिंग बूथ, दिव्यांगों के लिए पोलिंग बूथ के साथ ही पिंक पोलिंग बूथ भी बनाये गये थे। दमण जिले में मोटी दमण के पोलिंग बूथ नंबर 77 को पिंक पोलिंग बूथ बनाया गया था। इसके साथ ही दीव जिले में भी दो पिंक पोलिंग बूथ बनाये गये थे। इन पोलिंग बूथों को पिंक कलर में सजाया गया था। गुलाबी मंडप एवं सेल्फी स्टैंड भी सजाया गया था। इन पिंक पोलिंग बूथों पर पीठासीन अधिकारी, सहायक पीठासीन अधिकारी, पोलिंग ऑफिसर सहित अन्य पोलिंग अधिकारी के रुप में सिर्फ महिलाओं ने ही अपनी सेवा देकर स्त्रीशक्ति को दर्शाया।

गुजरात में शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ चुनाव, शाम 5 बजे तक 55.22 प्रतिशत वोटिंग

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में लोकसभा की 25 सीटों पर सामान्य चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। शाम 5 बजे तक गुजरात की 25 लोकसभा सीटों के लिए 55.52 प्रतिशत मतदान हुआ है। जबकि गुजरात विधानसभा की 5 सीटों के उपचुनाव में 56.56 प्रतिशत मतदान हुआ। अंतिम एक घंटे समेत मतदान के फाइनल आंकड़े रात 12 बजे तक जारी किए जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पी भारती ने बताया कि राज्य के 25 संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के 49140 में से 1820 मतदान केन्द्रों में 2 बीयूएस का उपयोग किया गया था। मतदान के दौरान शाम पांच बजे तक 116 यानी 0.23 प्रतिशत बीयू, 114 यानी 0.23 प्रतिशत सीयू और 383 यानी 0.78 प्रतिशत वीवीपैट बदले गए। सभी जिलों में उस क्षेत्र के प्रभारी जोनल अधिकारी के पास रिजर्व मशीन सेट उपलब्ध रखे गए थे। सभी जिलों में उस क्षेत्र के प्रभारी जोनल अधिकारी के पास रिजर्व मशीन सेट उपलब्ध रखे गए थे। जहां भी छोटी-मोटी दिक्कतें आती हैं, वहां ईवीएम की बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट या वीवीपैट यूनिट को तुरंत बदल दिया गया है। 7 मई को मतदान के दौरान भारत निर्वाचन आयोग को 8 अलर्ट प्राप्त हुए। जिसमें ईवीएम पर 3, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर 1 और 4 अन्य अलर्ट थे। मतदान दिवस पर सी-विजिल के माध्यम से कुल 186 शिकायतें प्राप्त हुईं तथा आचार संहिता प्रारंभ होने से मतदान पूर्व दिवस तक कुल 5,118 समेत कुल 5,315 शिकायतें प्राप्त हुईं। राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल पर मतदान के दिन 759 शिकायतें प्राप्त हुईं और आचार संहिता की अवधि शुरू होने से मतदान पूर्व दिन तक 15,581, अब तक कुल 16,340 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में नियंत्रण कक्ष सहित कुल 92 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। जिनमें ईवीएम से संबंधित 11, आचार संहिता से संबंधित 21 और फर्जी मतदान, कानून व्यवस्था, भीड़ आदि से संबंधित 18 शिकायतें शामिल हैं। अन्य माध्यमों से अब तक कुल 2,476 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 6 मई तक 2,384 शिकायतें प्राप्त हुईं। इस प्रकार कुल 24,131 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक भरूच के केसर, सूरत के सनधारा और बनासकांठा के बखरी गांव के ग्रामीणों ने वोटिंग का पूरी तरह से बहिष्कार किया है। जबकि मंगरोल के भटगाम और बालासिनोर के बोडोली और पुंजारा गांवों में आंशिक बहिष्कार की जानकारी मिली है। पारदर्शी चुनाव कराने के संकल्प के साथ राज्य के लगभग 25,000 मतदान केंद्रों से वेबकास्टिंग की गई। जिन मतदान केंद्रों की शिकायतें मिलीं, उनका वेब कास्टिंग के जरिए क्रॉस वेरिफिकेशन भी किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पी. भारती ने मतदान कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि लगभग 40 से 41 डिग्री की गर्मी में भी पूरी लगन से अपनी ड्यूटी करने के लिए वह मतदान कर्मियों और उनके परिवारों के प्रति आभार व्यक्त करती हैं। उन्होंने प्रदेश में कुछ दुखद घटनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि राजुला में एक कर्मचारी को दुर्घटना में गंभीर चोटें आई हैं। जबकि जाफराबाद तहसील में एक कर्मचारी की मौत हो गई है और छोटाउदेपुर में एक बाइक दुर्घटना में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई है। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

राज्य के कई गांवों में मतदान के बहिष्कार के चलते पोलिंग बूथों पर सन्नाटा

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में लोकसभा की 25 सीटों पर वोटिंग के बीच कई गांवों से मतदान के बहिष्कार की खबर सामने आई है। अपनी मांगें और समस्याओं का समाधान नहीं होने की वजह से कई गांवों के लोग वोट डालने बूथ पर नहीं पहुंच रहे। पाटण, अमरेली और सूरत जिले के गांवों से ऐसी कुछ खबरें सामने आई हैं। पाटण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के भाखरी गांव के लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया है। बताया जाता है कि भाखरी गांव में सुबह से एक भी मतदाता ने वोट नहीं डाला। गांव में कुल 350 वोटरों के बीच एक बूथ है। ग्राम पंचायत विभाजन और सड़कों के मुद्दे पर भाखरी गांव के लोगों ने मतदान के बहिष्कार का फैसला किया है। वोटिंग का विरोध कर रहे भाखरी गांव के लोगों को प्रशासन समझाने का प्रयास कर रहा है। वहीं अमरेली की जेसर तहसील के रबारिका गांव में मतदान के बहिष्कार की खबर सामने आई है। रबारिका गांव में सड़क कार्य और गांव को सावरकुंडला में शामिल करने के अलावा सौनी योजना के पानी की मांग पूरी नहीं होने पर स्थानीय लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया है। जिसकी वजह से एक भी वोटर मतदान केन्द्र पर नहीं पहुंचा। रबारिका गांव के मतदाताओं को अमरेली जिला प्रशासन वोटिंग के लिए मनाने का प्रयास कर रहा है। दक्षिण गुजरात के एक गांव से भी मतदान के बहिष्कार करने की खबर सामने आई है। सूरत जिले की मांगरोल तहसील के सणधरा गांव के लोगों ने कई समस्याओं को लेकर चुनाव का बहिष्कार का फैसला किया है। सुबह से किसी मतदाता के बाहर नहीं निकलने से पोलिंग बूथ पर सन्नाटा पसरा है। 500 से ज्यादा की आबादी वाले गांव में करीबन 300 जितने वोटर हैं। गांव में बस स्टैन्ड का अभाव और सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलने की वजह से स्थानीय लोग वोट नहीं डाल रहे। राज्य में ऐसे कई गांव हैं जहां के लोग अपनी समस्याओं को लेकर मतदान नहीं कर रहे।

ध्रोल में दीवार ढहने से एक बच्चे की मौत, दूसरा अस्पताल में उपचाराधीन

जामनगर (ईएमएस)। ध्रोल में एक जर्जरीत इमारत की दीवार ढहने से उसके मलबे में दो बच्चे दब गए। जेसीबी की मदद से दोनों बच्चों को बाहर निकाल लिया गया। हांलाकि तब एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल दूसरे बच्चे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक जामनगर जिले के ध्रोल में नूरी हाईस्कूल के सामने वणकर समाज की पुरानी कुमार छात्रालय की एक दीवार अचानक भरभराकर ढह गई। दीवार के मलबे के नीचे देवीपूजक परिवार के दो बच्चे दब गए। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई और बचाव कार्य शुरू कर दिया। जेसीबी की मदद से मलबा हटाकर बच्चों को बाहर निकाला गया। हांलाकि दो में से एक 12 वर्षीय गोपाल हरसुखभाई की मौत हो गई। जबकि दूसरे बच्चे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इलेक्शन ड्युटी के दौरान महिला कर्मचारी की मौत, हार्ट अटैक की आशंका

अमरेली (ईएमएस)। जाफरा में एक महिला कर्मचारी की इलेक्शन ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। जाफराबाद शहर की सागर स्कूल में तैनात कोशिकाबेन बाबरिया चुनावी प्रक्रिया के दौरान अचानक गिर पड़ी। कौशिकाबेन बाबरिया को तुरंत एम्ब्युलैंस 108 से राजूला के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार मिलने से पहले ही उनकी मौत हो गई। महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल भेजा जाएगा। कौशिकाबेन की हार्ट के कारण मौत होने का प्राथमिक अनुमान है। असली वजह पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी।

गुजरात के इस पोलिंग बूथ पर फिर एक बार हुआ 100 प्रतिशत मतदान

अहमदाबाद (ईएमएस)। भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां प्रत्येक वोट की कीमत मायने रखती है। गुजरात में एक ऐसा पोलिंग बूथ है जहां वर्षों से सिर्फ एक वोटर के लिए पूरा मतदान केन्द्र तैयार किया जाता है और वहां 15 कर्मचारियों का स्टाफ शाम 6 बजे तक तैनात रहता है। यह बूथ मध्य गिर के जंगलों के बीच है, जो जूनागढ़ से 110 किलोमीटर की दूरी पर पौराणिक मंदिर के पास है। बाणेज नामक पोलिंग बूथ के महंत हरिदास इकलौते मतदाता हैं। हरिदास पौराणिक मंदिर के महंत हैं और उनके मतदान करते ही 100 प्रतिशत मतदान के संकेत मिल जाते हैं। आज भी महंत हरिदास के वोटिंग करते ही सौ फीसदी मतदान हो गया। मतदान के बाद महंत हरिदास ने कहा कि लोकतंत्र की जीवंत रख मेरे लिए खास व्यवस्था करने पर मैं निर्वाचन आयोग का आभारी हूं। उन्होंने हरेक मतदाता से अपने मताधिकार का उपयोग करने की और कहा कि मतदान करना हमारा कर्त्तव्य है। चुनाव लोकतंत्र की धरोहर है, जिसे संभालना हम सभी की जिम्मेदारी है। दरअसल निर्वाचन आयोग वर्ष 2002 से बाणेज में विशेष मतदान केन्द्र की व्यवस्था करता आ रहा है। महंत हरिदास से पहले महंत भरतदास के लिए यहां खास पोलिंग बूथ बनाया जाता था। महंत भरतदास के लिए निर्वाचन आयोग हर चुनाव में बाकायदा 5 से 8 लोगों की टीम भेजकर विशेष मतदान केन्द्र की व्यवस्था करता था। 1 नवंबर 2019 को बाणेज के महंत का निधन हो गया था। जिसके बाद से निर्वाचन आयोग महंत भरतदास के अनुगामी हरिदास के लिए खास पोलिंग बूथ की व्यवस्था करता है। गिर जंगल एशियाटिक शेरों का ठिकाना है, जहां खूंखार वन्यजीव होने के बावजूद भरतदास मंदिर में अकेले ही रहते थे। भरतदास के बाद अब उनके अनुगामी महंत हरिदास भी मंदिर में अकेले रहते हैं और लोकतंत्र के पर्व में भाग लेकर लोगों को प्रेरित करते हैं।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)